Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

श्री दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य

माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 06, अंक 264 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, शनिवार 09 नवम्बर 2024 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

देशभर में कड़ाके की सर्दी का इंतजार, इन राज्यों में आज होगी भारी बारिश

नईदिल्ली। देशभर में लोगों को कड़ाके की सर्दी के लिए अभी इंतजार करना पड़ेगा। मौसम विभाग की मानें तो पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश के बाद अचानक से ठंड़ का असर तेज होगा।अभी 10-12 दिनों तक उत्तर भारत में मौसम शुष्क रहेगा। ऐसे में इस दौरान तापमान में गिरावट की संभावना कम है।अधिकांश राज्यों में केवल सुबह-शाम के वक्त हल्की सर्दी पड़ रही है, लेकिन दिन के वक्त धूप लोगों को परेशान कर रही है। अन्य दिनों की तरह दिल्ली में आज सुबह स्मॉग और हल्का कोहरा छाया रहा और रात के समय भी ऐसा ही मौसम देखने को मिल सकता है। साथ ही अधिकतम तापमान 33 और न्यूनतम 17 डिग्री तक रहने के आसार हैं।8-12 नवंबर के बीच भी तापमान में कोई ज्यादा बदलाव आने की उम्मीद नहीं है।अधिकतम तापमान 32-33 डिग्री और न्यूनतम 16-17 डिग्री के बीच रह सकता है। राजधानी में 10 से 12 नवंबर तक धुंध रह सकती है।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में मारा गया 1 आतंकवादी, हथियार और गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में आतंकियों के खिलाफ सुरक्षा बलों की ओर से चलाया जा रहा अभियान गुरुवार को समाप्त हो गया। इस दौरान 1 आतंकवादी मारा गया है।सेना के अधिकारियों ने बताया कि कुपवाड़ा जिले के लोलाब इलाके में छिपा आतंकवादी मारा गया है, जिसके पास से एक एके-47 राइफल, 2 हथगोले, 4 एके-47 मैगजीन, गोला-बारूद और अन्य युद्ध संबंधी सामान बरामद किया गया है।इलाके में सैन्य अभियान मंगलवार को शुरू हुआ था। सेना के अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों के खिलाफ बांदीपोरा जिले के केटसुन जंगलों में एक अभियान चलाया जा रहा है, जो अभी जारी है। यहां एक आतंकवादी बुधवार को मारा गया है।जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के बाद से लगातार आतंकी घटनाएं सामने आ रही हैं।

दिल्ली में प्रदूषण बढ़ाने में वाहनों का धुआं है ज्यादा जिम्मेदार, अध्ययन में किया दावा

नईदिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण के बढ़ते स्तर के लिए राजधानी की सड़कों पर चलने वाले वाहन सबसे अधिक जिम्मेदार हैं।नए अध्ययन में दावा किया गया है कि वाहन उत्सर्जन प्रदूषकों में सबसे बड़ा योगदानकर्ता है, जो सर्दियों के दौरान दिल्ली के वायु गुणवत्ता सूचकांक को प्रभावित करता है।सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की ओर से किए अध्ययन में खुलासा किया है कि वाहन स्थानीय स्रोतों से पैदा होने वाले प्रदूषकों में आधे से अधिक हिस्सेदारी रखते हैं। सीएसई की ओर से किए अध्ययन में साझा किए आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली के वायु प्रदूषण में स्थानीय स्रोतों का योगदान लगभग 30 प्रतिशत है।इनमें सड़क की धूल, निर्माण गतिविधियों से प्रदूषण या दिवाली उत्सव के दौरान जलाए गए ।

केवल बैसाखियों पर ही जिंदा कांग्रेस, पीएम मोदी का राहुल गांधी पर वार

सिर्फदिखावे के लिए जेब में संविधान की किताब लेकर घूमते

नई दिल्ली/ एजेंसी

महाराष्ट्र के नासिक में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव प्रचार के पहले दिन मुझे नासिक की पुण्य भूमि पर आने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने कहा कि जब अयोध्या में राम मंदिर की 500 साल की प्रतीक्षा पूरी हुई, जब प्रभु राम एक बार फिर वापस आए, तब अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा से पहले 11 दिनों के मेरे व्रत अनुष्ठान की शुरुआत यहीं नासिक से शुरू हुई थी। मुझे कालाराम मंदिर में सफाई और सेवा का अवसर भी मिला था। आज एक बार फिर 'विकसित महाराष्ट्र और विकसित भारत' के लिए मैं नासिक का आशीर्वाद लेने आया हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा देश नए रिकॉर्ड बना रहा है, क्योंकि आज देश में गरीबों की चिंता करने वाली सरकार है। जब गरीब आगे बढ़ता है, तभी देश आगे बढ़ता है। इतने दशकों तक कांग्रेस और उसके साथियों ने गरीबी हटाओ का नारा दिया फिर भी गरीब रोटी, कपड़ा और मकान के लिए मोहताज रहा। लेकिन बीते 10 वर्षों में देश के 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। उन्होंने कहा कि आज आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट्स में महाराष्ट्र बहुत आगे है। यहां हाई-वे, एक्सप्रेस-वे बन रहे हैं। आधुनिक तकनीकी के क्षेत्रों में यहां निवेश हो रहा है। उन्होंने कहा कि अगर कोई सरकार ये काम रोक दे, तो क्या महाराष्ट्र आगे बढ़ पाएगा, महाराष्ट्र के युवाओं को क्या रोजगार के अवसर मिल पाएंगे? अगर ये काम रूके तो महाराष्ट्र काफी पीछे छूट जाएगा। कांग्रेस और उसके साथी यही चाहते हैं, उनका यही एजेंडा है। महाराष्ट्र में कोई भी बड़ा काम होता है, तो ये लोग उसका विरोध करने आ जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और अघाड़ी वाले लोग देश को पीछे करने का, देश को कमजोर करने का कोई मौका

नहीं छोड़ते। इन लोगों ने डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में देश को पीछे करने के लिए क्या कुछ नहीं किया! मोगी ने साफतौर पर कहा कि कांग्रेस और इसके साथियों को न बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान की परवाह है, ना कोर्ट की और ना ही देश की भावना की। ये सिर्फदिखावे के लिए जेब में संविधान की किताब लेकर घूमते हैं। ये कांग्रेस वाले ऐसे हैं, जिन्होंने 75 साल तक जम्मू-कश्मीर में बाबा साहेब के संविधान को लागू नहीं होने दिया। उन्होंने यह भी कहा कि दो दिन पहले जम्मू-कश्मीर की विधानसभा में आर्टिकल 370 को फिर से लागू करने के लिए हंगामा हुआ। ये लोग कांग्रेस और उसके सहयोगी दल चाहते हैं कि जम्मू-कश्मीर से बाबा साहेब का संविधान हटा दिया जाए। ये लोग चाहते हैं कि दलितों को, वाल्मिकी समाज को जो आरक्षण 25 साल बाद मिला है, उसे छीन लिया जाए। विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि जनता भी इनकी असलियत जान गई है।

महाराष्ट्र की जनता भी देख रही है, एक तरफ महायुति का घोषणा पत्र है, तो वहीं दूसरी तरफ महाअघाड़ी का घोटाला पत्र है। उन्होंने कहा कि पूरे देश ने कांग्रेस की हरकतों के कारण उसे पूरी तरह से खारिज कर दिया है। कांग्रेस अब ऑल इंडिया कांग्रेस नहीं बची! कांग्रेस अब परजीवी कांग्रेस बन चुकी है। ये कांग्रेस पार्टी अब केवल बैसाखियों पर ही जिंदा है। महाराष्ट्र हो, उत्तर प्रदेश हो, बिहार हो, झारखंड हो... ज्यादातर राज्यों में कांग्रेस दूसरी पार्टियों के सहारे ही चुनाव लड़ने की हालत में है। क्योंकि ये पक्का है, जहां कांग्रेस और उसके साथी होंगे, वहां घोटाला होगा ही होगा। ये लोग ऐसी योजनाओं की घोषणा करते हैं, जिसमें ज्यादा से ज्यादा भ्रष्टाचार हो सके। नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस के रहते ओबीसी कभी इतना एकजुट नहीं हो पाया। ओबीसी को आरक्षण भी तभी मिला जब कांग्रेस सरकार हटी। नेहरू जी के समय में कांग्रेस ने ओबीसी को अलग-अलग जातियों में बांटकर रखा, फिर इंदिरा गांधी का भी वही रवैया रहा और राजीव गांधी का भी वही हाल रहा। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने कभी ओबीसी को एकजुट नहीं होने दिया और 90 के दशक में जैसे की ओबीसी एकजुट हुआ और जैसे ही ओबीसी ताकतवर बना वैसे ही कांग्रेस की पूर्ण बहुमत वाली सरकार बननी बंद हो गई। उन्होंने कहा कि इसलिए कांग्रेस में ओबीसी को लेकर गुस्सा है।

राहुल पर हिमंत बिस्वा सरमा का पलटवार

हिंदू समाज को बांटने का लगाया आरोप-सरमा.....

नई दिल्ली। असम के सीएम और झारखंड बीजेपी के सह-प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर पलटवार किया है। हिमंत बिस्वा सरमा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने हिंदू समाज को बांटने की जो साजिश रची है, ऐसा तो अंग्रेजों ने भी नहीं किया था। उन्होंने कहा कि हमारे समाज के दुश्मन राहुल गांधी समाज को बांटना चाहते हैं। सरमा ने दावा किया कि हेमंत सोरेन घुसपैठियों के लिए काम करते हैं। वह आदिवासी समाज के कल्याण के लिए काम नहीं करते। राहुल पर अपना हमला जारी रखते हुए हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि वह झारखंड के कल्याण

के लिए काम नहीं करते। इसीलिए तो हम लोग कहते हैं एकजुट रहो, सुरक्षित रहो। भाजपा नेता ने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री और कांग्रेस-जेएमएम नेता अपनी रैलियों में जिस भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, उससे साबित होता है।

दुर्ग में मुठभेड़

पुलिस की जवाबी फायरिंग में गोली लगने से निगरानी बदमाश अमित जोश की मौत

भिलाई । संवाददाता

दुर्ग जिले के भिलाई में 25 व 26 जून की दरम्यानी देर रात ग्लोब चौक के पास हुई गोलीबारी के मामले में फरार चल रहे क्षेत्र को निगरानी बदमाश अमित जोश को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया है। शुक्रवार को आरोपी को पकडऩे गई पुलिस पर आरोपी ने फायरिंग शुरू कर दी थी और जवाबी कार्यवाही में गोली लगने से आरोपी अमित जोश की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार भिलाई के निगरानी बदमाश सेक्टर 6 निवासी अमित जोश जयंती स्टेडियम के पास पुलिस एनकाउंटर में मारा गया। शुक्रवार की शाम अमित जोश की जयंती स्टेडियम के पास उपस्थिति की पुलिस को सूचना मिली। सूचना पर पुलिस की टीम जयंती स्टेडियम का समीप तालाब से आगे पहुंची तो पुलिस को देखते ही अमित जोश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी पुलिस ने अपना बचाव करते हुए जवाबी फायरिंग की जिसमे अमित जोश को गोली लगी और वह वहीं ढेर हो गया। अमित जोशी एनकाउंटर में मारे जाने की पुलिस कप्तान जितेंद्र शुक्ला ने पुष्टि की है। बता दें कि 25 व 26 जून की दरम्यानी देर रात ग्लोब चौक के पास अमित जोश एवं उसके साथी सागर बांध उर्फडांगी, अंकुर शर्मा एवं यशवंत नायडू के द्वारा विश्रामपुर निवासी रमनदीप व उसके दो दोस्त आदित्य सिंह एवं सुनील यादव पर पिस्टल से 3 फायर किया गया था। इस गोलीकांड में आदित्य

सिंह एवं सुनील यादव को गोलियां लगी थी। इस घटना में शामिल दो आरोपियों में अंकुर शर्मा और यशवंत नायडू को भिलाई नगर पुलिस गिरफ्तार कर लिया है वहीं अमित जोश एवं सागर बाग की तलाश में पुलिस जुटी थी। शुक्रवार को पुलिस को अमित जोश के भिलाई में होने तथा जयंती स्टेडियम के पास छिपे होने की जानकारी मिली। जिसे पर पुलिस की टीम जयंती स्टेडियम का समीप तालाब से आगे पहुंची तो पुलिस को देखते ही अमित जोश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी जिसके बाद अतिरिक्त बल बुलाकर आरोपी की घेराबंदी करते हुए जवाबी कार्रवाई की गई। इस दौरान आरोपी अमित ने पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से उसकी मौत हो गई। पुलिस कप्तान जितेन्द्र शुक्ला ने अमित जोश की एनकाउंटर की पुष्टि की है। पुलिस के अनुसार अमित जोश भिलाई के ग्लोब चौक में हुए गोलीकांड का मुख्य आरोपी है। वह बीते कई महीनों से फरार था।

अमित शाह की शरद पवार को चुनौती

चार पुश्तें आ जाएं तो भी अनुच्छेद 370 वापस नहीं आ पाएगा-शाह.....

मुंबई/ एजेंसी

महाराष्ट्र में एक रैली के दौरान अमित शाह ने कहा कि शरद पवार की चार पीढ़ियां भी जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को वापस नहीं ला सकतीं। महाराष्ट्र के शिराला में एक जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 'नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस पार्टी ने जम्मू कश्मीर विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें अनुच्छेद 370 को वापस लाने की मांग की गई है कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग नहीं है। आज मैं संभाजी महाराज की धरती से कह रहा हूं- शरद पवार साहब, अगर आपकी चार पीढ़ियां भी आ जाएंगी तो भी

हम अनुच्छेद 370 को वापस नहीं आने देंगे।' उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर विधानसभा में नई सरकार के गठन के बाद विधानसभा के पहले ही सत्र में अनुच्छेद 370 को वापस लाने का प्रस्ताव पेश किया गया। इस प्रस्ताव को पेश करने के दौरान विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ और इसे लेकर भाजपा और सत्ताधारी दल के विधायकों में हाथापाई भी हो गई। इसे लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने भी विपक्ष पर निशाना साधा है। शाह ने कहा कि 'ये अघाड़ी वाले न देश को सुरक्षित कर सकते हैं, न देश का सम्मान बढ़ा सकते हैं। अगर ये काम करना है, तो पीएम मोदी का हाथ मजबूत करना होगा। प्रधानमंत्री मोदी का वादा पत्थर की लकीर है, जबकि कांग्रेस पार्टी तो वादा करके खुद ही भूल जाती है। उन्होंने न कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और न ही तेलंगाना में अपने वादे पूरे किए हैं। राम मंदिर का जिक्र करते हुए अमित शाह ने कहा कि प्रभु श्रीराम 500 साल से टेंट में बैठे थे। कांग्रेस पार्टी राम मंदिर को अटका रही थी।

पराली जलाने पर अब 30,000 रुपये तक लगेगा जुर्माना.....

नईदिल्ली। दिल्ली और आसपास के राज्यों में हवा की गुणवत्ता खराब होने के बाद भी खेत में पराली जलाने के मामले कम नहीं हो रहे हैं। इसे देखते हुए केंद्र सरकार ने कड़ा फैसला लिया है।सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद केंद्र सरकार ने पराली जलाने पर लगने वाले जुर्माने की रकम को दोगुना कर दिया है, जिससे किसानों को 30,000 रुपये तक का जुर्माना भरना पड़ेगा।यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, 2 एकड़ से कम भूमि वाले किसानों पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। 2 से 5 एकड़ भूमि वाले किसानों पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा, जबकि 5 एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों पर पराली जलाने पर 30,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

जस्टिस संजीव खन्ना देश के 51वें सीजेआई होंगे

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना होंगे अगले मुख्य न्यायाधीश,11 नवंबर को लेंगे शपथ....

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्र ने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना को भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की अधिसूचना जारी की है। जस्टिस संजीव खन्ना 11 नवंबर को भारत के मुख्य न्यायाधीश के पद की शपथ लेंगे। उनकी नियुक्ति वर्तमान मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के सेवानिवृत्त होने के बाद हुई है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के रूप में जस्टिस संजीव खन्ना का कार्यकाल लगभग छह महीने का होगा और वह 13 मई 2025 को सेवानिवृत्त हो जाएंगे। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना को गुरुवार को भारत का 51वां

मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया। वह 11 नवंबर को शपथ लेंगे, जिसके एक दिन बाद मौजूदा न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ सेवानिवृत्ति हो जाएंगे। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने 8 नवंबर 2022 को सीजेआई के रूप में पदभार संभाला था। न्यायमूर्ति खन्ना का सीजेआई के रूप में कार्यकाल छह महीने से थोड़ा अधिक होगा और वह 13 मई 2025 को सेवानिवृत्ति हो जाएंगे। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने एक्स पर पोस्ट किया, 'भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए माननीय राष्ट्रपति ने भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश के परामर्श के बाद 11 नवंबर 2024 से प्रभावी रूप से भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना को भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया है। न्यायमूर्ति खन्ना को 2005 में दिल्ली उच्च न्यायालय का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। 2006 में उन्हें स्थायी न्यायाधीश बनाया गया था।

विदाई समारोह में बोले सीजेआई चंद्रचूड़

अगर मैंने किसी का दिल दुखाया हो तो माफी चाहूंगा...चंद्रचूड़

नई दिल्ली। एजेंसी

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को भारतीय न्यायपालिका के 50वें प्रमुख के रूप में अपने अंतिम कार्य दिवस पर कहा कि जरूरतमंदों और ऐसे लोगों की सेवा करने में सक्षम होने से बड़ी कोई भावना नहीं है, जिन्हें वे कभी नहीं जानते या उनसे कभी नहीं मिले। सीजेआई द्वारा मनोनीत सीजेआई संजीव खन्ना, जस्टिस जे बी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की मौजूदगी वाली चार जजों की औपचारिक पीठ का नेतृत्व करते हुए डीवाई चंद्रचूड़ ने न केवल किए गए काम के लिए बल्कि देश की सेवा करने के अवसर के लिए भी गहरी संतुष्टि की भावना व्यक्त की। जस्टिस चंद्रचूड़ ने 9 नवंबर, 2022 को अपने प्रतिष्ठित पिता वाई वी चंद्रचूड़ के पद पर कदम रखा, जिन्होंने 1978 से 1985 के बीच सबसे लंबे समय तक सीजेआई के रूप में कार्य किया और 10 नवंबर, रविवार को पद छोड़ देंगे। भारत के न्यायिक इतिहास के इस महत्वपूर्ण क्षण को चिह्नित करने के लिए मुख्य न्यायाधीश मनोनीत खन्ना और अटॉर्नी जनरल, सॉलिसिटर जनरल, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन एससीबीए के अध्यक्ष कपिल सिब्बल और अन्य सहित बार नेताओं द्वारा उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर भावुक जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा, 'आपने मुझसे पूछा कि मुझे क्या आगे बढ़ाता है। यह न्यायालय ही है, जिसने मुझे आगे बढ़ाया है, क्योंकि ऐसा एक भी दिन नहीं है, जब आपको लगे कि आपने कुछ नहीं सीखा है और आपको समाज की सेवा करने का अवसर

नहीं मिला है। जरूरतमंद लोगों और उन लोगों की सेवा करने में सक्षम होने से बड़ी कोई भावना नहीं है, जिनसे आप कभी नहीं मिलेंगे, जिन्हें आप संभवत: जानते भी नहीं हैं, जिनके जीवन को आप बिना देखे प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने किसी भी अनजाने में हुई गलतियों या गलतफहमी के लिए माफी मांगते हुए कहा, 'अगर मैंने कभी किसी को ठेस पहुंचाई है, तो मैं आपसे क्षमा चाहता हूं।' एससीबीए अध्यक्ष कपिल सिब्बल ने सीजेआई को एक असाधारण पिता का असाधारण बेटा बताया। उन्होंने कहा, 'मैंने इस न्यायालय में 52 वर्षों से वकालत की है और मैंने अपने जीवन में कभी भी ऐसा कोई न्यायाधीश नहीं देखा जिसमें आप, हमेशा मुस्कुराते रहने वाले डॉ. चंद्रचूड़ जैसा असीम धैर्य हो। सीजेआई ने यह भी बताया कि वह न्यायमूर्ति जे.बी.पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा के साथ बैठकर काम करने के अनुभव को बहुत याद करेंगे। उन्होंने कहा, 'यही कोर्ट है, जो मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। हम ऐसे लोगों से मिलते हैं, जिन्हें हम नहीं जानते थे और ये अनुभव जीवन को एक नया दृष्टिकोण देते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'मैं आज बहुत कुछ सीखा हूं। कोई भी मामला पहले के मामले जैसा नहीं होता। अगर कोर्ट में किसी कोई तकलीफ पहुंची हो तो मैं विनम्रतापूर्व माफी चाहता हूं।

अंत में धन्यवाद देते हुए न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, आप सभी का दिल से धन्यवाद, आप इतनी बड़ी संख्या में यहां आए। इसके लिए मैं सदा कृतज्ञ रहूंगा।'

जटिल मुद्दों को सुलझाने के लिए तत्पर थे न्यायमूर्ति चंद्रचूड़-कपिल सिब्बल - न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ के विदाई समारोह में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के अध्यक्ष कपिल सिब्बल ने कहा, हम किसी भी जज की आलोचना कर सकते हैं, क्योंकि जीवन में संपूर्णता नाम की कोई चीज नहीं होती। सच भी हमेशा एक जैसा नहीं होता। संपूर्णता और सच दोनों एक जैसे हैं समय और स्थिति के हिसाब से बदलते हैं। हमें किसी व्यक्ति या जज का मूल्यांकन उस समय और हालात के आधार पर करना चाहिए,

सड़ रहा शहर सुध लेने वाला कोई नहीं

सारंगढ़ (समय दर्शन)। शहर का माई बाप नहीं , कहने के लिए तो यह जिला मुख्यालय है , और इससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि - सारंगढ़ शहर की विशेषता जिसे हर मंच पर दोहराया जाता है कि - यह शहर पान , पानी व पालकी के लिए जाना जाता है । ध्यान रहे यह शहर अब बजबजाती हुई नालियां , कचरो का ढेर , जगह-जगह टूटी हुई सड़कें शहर की विशेषता बन गई । शहर सफाई विहीन है , शायद ही शहर में झाड़ू लगता है या नहीं ? यह कह पाना भी मुश्किल है । जब इस विषय पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि - हमारे यहां सफाई कर्मचारियों की कमी है । शासन को अवगत कराया गया है , साथ ही साथ इस विषय की जानकारी जिला कलेक्टर को भी दी गई है । वही नगर के प्रथम

नागरिक नगर पालिका अध्यक्ष सोनी अजय बंजारे से शहर के गंदगी और अब व्यवस्थित सफाई व्यवस्था को लेकर पूछे गए प्रश्न पर उन्होंने कहा कि - सारंगढ़ नगर पालिका में कांग्रेस की सरकार है इसलिए भाजपा सरकार फूटी कौड़ी देने के लिए तैयार नहीं है । हमारे यहां के पुराने जो स्वीपर थे , सफाई कामगार थे वे सब के सब रिटायर्ड हो गए । उसके जगह नयी भर्ती करने की शक्ति मुझ में नहीं है । यह राज्य सरकार के द्वारा ही किया जा सकता है । फिर दूसरा महत्वपूर्ण बात यह की जिला मुख्यालय होने के कारण जिले के जितने उच्च अधिकारी हैं वहां स्वीपर लगा दिए गए हैं , जिसके चलते शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है । सफाई व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिए कलेक्टर को ज्ञापन और माननीय नगरीय निकाय मंत्री को ज्ञापन दिया गया है लेकिन आज पर्यंत इस समस्या का समाधान नहीं हो सका है । विशेष परिस्थितियों में मेरे पति मेरे प्रतिनिधि अजय रात्रि के समय स्वयं के व्यय से सफाई करवाते हैं । दुर्भाग्य का विषय यह है कि - सारंगढ़ नगर पालिका का सेटअप आज भी नगर पंचायत के सेटपर चल रहा है । कलेक्टर महोदय से निवेदन है कि - उक्त विषय पर संज्ञान लेते हुए अपनी ओर से 15 कर्मचारी शहर सफाई के लिए देवें ।

संक्षिप्त समाचार

सभी मतदान केंद्रों में 9 और 10 नवंबर को होगा विशेष शिविर

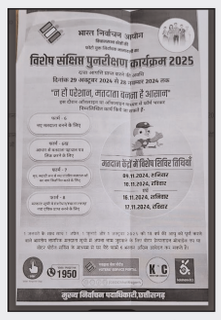

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन), /भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा विधानसभा क्षेत्र की फोटो युक्त निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 अंतर्गत जिले के सभी मतदान केंद्रों में विशेष शिविर का आयोजन 9 और 10 नवंबर (शनिवार और रविवार) को किया जा रहा है। नए मतदाता बनने के लिए, आधार से मतदाता पहचान पत्र लिंक करने के लिए, मृत या स्थाई रूप से स्थानांतरित मतदाताओं का नाम विलोपित करने के लिए, मतदाता सूची में संशोधन, स्थानांतरण, नया एपिक प्राप्त करने के लिए नागरिक अपने आधार कार्ड या अन्य पहचान पत्र के साथ शिविर में बीएलओ से संपर्क कर सकते हैं।

सारंगढ़ में 9 नवंबर को होगा दिव्यांग मेडिकल कैंप

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन) स्वास्थ्य और समाज कल्याण विभाग के पहल पर सिविल अस्पताल सारंगढ़ में द्वितीय शनिवार 9 नवंबर को दिव्यांगों के लिए विशेष मेडिकल कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस कैंप में शामिल होने के लिए दिव्यांगों को आधार कार्ड, राशनकार्ड और 2 पासपोर्ट फोटो लाना अनिवार्य है। इसके अलावा विशेषज्ञ डॉक्टरों से सामान्य बीमार का चेकअप कोई भी नागरिक करा सकता है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया सरायपाली नगर में छठ महापर्व

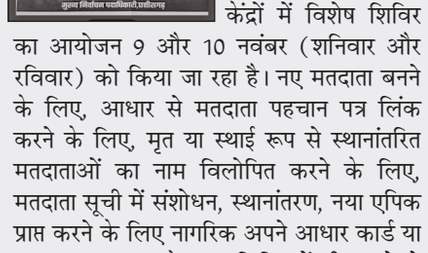

सरायपाली(समय दर्शन)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सरायपाली नगर हजारों की तादाद मे शंकर मुड़ा तालाब एवं झिलमिला में छठ पूजा बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। छठ महापर्व चार दिवसीय पर्व होता है,जिसमें प्रथम दिवस मंगलवार को नहाय खाय के साथ शुरू हो गया।जिसमें महिलाएं नहाखाय द्वितीय दिवस में खरना, इसके अलावा तृतीय एवं चतुर्थ दिवस में डूबते सूर्य एवं उगते सूर्य की उपासना की जाती है। सबसे पहले सूर्य भगवान को जल अर्पण करने के बाद प्रसाद में लौकी की सब्जी और चावल-दाल ग्रहण किए। चार दिवसीय इस पूजा पर्व के दूसरे दिन बुधवार को खरना करते है , यानी नमक नहीं खाएंगे और घर-घर ठेकुआ का प्रसाद बनता है । 7 नवंबर सुबह से 36 घंटे का निर्जला व्रत रखकर महिलाये छठी मइया की आराधना में जाती है । पहला अर्घ्य ढलते होते सूर्य को और दूसरा अर्घ्य उगते सूर्यदेव को अर्पित कर उपवास खोला जाता है ।और छठ महापर्व को विश्व का सबसे कठिनतम व्रत माना जाता है और इसमें पुरुष भी भारी संख्याओं में सम्मिलित होते है।छठ महापर्व में महिलाएं संतान की प्राप्ति और परिवार की सुख शांति समृद्धि के लिए सूर्य देव की उपासना करती हैं। विभिन्न स्थानों मे हुवे छठ महापर्व के आयोजन मे आम नागरिकों एवं पुलिस प्रशासन का विशेष सहयोग रहा।

महासमुंद में खरीफ फसल 2024-25 के लिए गिरदावरी सत्यापन कार्य जारी

महासमुंद, (समय दर्शन)। खरीफ फसल 2024-25 के अंतर्गत किसानों द्वारा लगाए गए धान फसल की गिरदावरी का सत्यापन कार्य जोर-शोर से चल रहा है। जिले में कलेक्टर सहित अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा खेतों में जाकर गिरदावरी कार्य की पुष्टि की जा रही है ताकि किसानों को सही समय पर उचित सहायता और समर्थन उपलब्ध कराया जा सके। इस प्रक्रिया में पारदर्शिता और शुद्धता लाने के उद्देश्य से, पटवारियों द्वारा की गई गिरदावरी की सटीकता का मूल्यांकन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने दो दिवस के भीतर चयनित खसरा प्रविष्टियों का सत्यापन करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है। सरकार ने फसल गिरदावरी और सत्यापन के लिए जीपीएस आधारित मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग किया है। इसके पहले, संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया था ताकि वे इस तकनीक का सही इस्तेमाल कर सकें। इस तकनीकी प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य खेतों की वास्तविक स्थिति का आकलन करना है, जिससे राज्य को सटीक आंकड़े मिल सकें और कृषि नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। सत्यापन प्रक्रिया के तहत, अधिकारी खेतों का दौरा कर रहे हैं और फसल की गुणवत्ता, भूमि की स्थिति, और उत्पादन की संभावनाओं का निरीक्षण कर रहे हैं।

बहराणा साहेब की 10 को निकलेगी भव्य शोभायात्रा, सिंधी समाज के संत होंगे शामिल

दुर्ग (समय दर्शन)। सर्व सिंधी समाज दुर्ग-भिलाई द्वारा 10 नवंबर को पूज्य बहराणा साहेब का 13 सौ 13 की संख्या में ज्योति कलश की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा शिवनाथ नदी रोड स्थित पंचवटी मांगलिक परिसर से रात्रि 8 बजे शुरु होगी। शोभायात्रा नदी रोड का भ्रमण करते हुए अंत में शिवनाथ नदी पहुंचेगी। जहां ज्योति कलश का विसर्जन किया जाएगा। शोभायात्रा में शदाणी दरबार रायपुर के संत शिरोमणी साई युद्धिष्ठर लाल, श्री सिंधु अमरधाम आश्रम चकरभाठा बिलासपुर के साई लालदास के अलावा सिंधी समाज के अन्य संत शामिल होंगे। इस अवसर पर शोभायात्रा में जनप्रतिनिधियों के अलावा गणमान्य नागरिकों को भी आमंत्रित किया गया है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए सर्व सिंधी समाज दुर्ग-भिलाई के सदस्य आसनदास मोहनानी ने बताया कि पूज्य बहराणा साहेब की शोभायात्रा के पूर्व दोपहर 3.30 बजे शिवनाथ नदी रोड स्थित पंचवटी मांगलिक परिसर कार्यक्रम स्थल पर सिंधी समाज के संतो का अभिनंदन किया जाएगा। शाम 5 बजे सिंध म्यूजिकल ग्रुप ग्वालियर द्वारा संगीतमय सत्संग की प्रस्तुति दी जाएगी। शाम 6.30 बजे श्री सिंधु अमरधाम आश्रम चकरभाठा के साई लालदास साहेब प्रवचन के माध्यम से भक्तों का मार्गदर्शन करेंगे। तत्पश्चात पूज्य बहराणा साहेब की शोभायात्रा निकाली जाएगी। श्री मोहनानी ने बताया कि सर्व सिंधी समाज द्वारा दुर्ग में इस तरह का आयोजन पहली बार किया जा रहा है। जिसे लेकर सिंधी समाज के लोगों में उत्साह का माहौल है। आयोजन में दुर्ग-भिलाई के अलावा प्रदेशभर से बड़ी संख्या में भक्तजन शामिल होंगे। फ्लस्वरुप तैयारियों में सर्व सिंधी समाज के आसनदास मोहनानी, नारायण मेघवानी, ज्ञानचंद रुचंदानी, अनिल लोहानी, प्रेम शोभानी, राम बख्तयार, नवल हासिजा के अलावा महिला मंडल की टीम जुटी हुई है।

सरस्वती शिशु मंदिर उच्च.माध्य.विद्यालय बसना में चतुर्थ आचार्य विकास वर्ग सम्पन्न

बसना (समय दर्शन)। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बसना में चतुर्थ आचार्य विकास वर्ग प्रात: 10:00 बजे से 04:00 बजे के मध्य सम्पन्न हुआ।

सर्वप्रथम मॉ सरस्वती, प्रणवाक्षर ओम एवं मॉ भारती के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया। प्रथम सत्र में, अभिमन्यु दास एवं तेजकुमार साव द्वारा प्रार्थनाभ्यास करवाया गया।

द्वितीय सत्र में प्राथमिक विभाग में राज्यपाल पुरस्कृत शिक्षक भोजराज प्रधान के द्वारा अक्षर ज्ञान, शब्द ज्ञान एवं वाक्य बनाने की विधी विस्तार से बताया गया। माध्यमिक, हाई एवं हायर सेकेण्डरी विभाग में केना विद्यालय के राज्यपाल पुरस्कृत शिक्षक शैलेन्द्र नायक के द्वारा

बताया गया कि सर्वप्रथम विद्यार्थियों को श्रवण, वाचन, पठन एवं लेखन कौशल का ज्ञान देना चाहिए। पाठ्यक्रम को विशेषकर , काव्य को रस छंद, अलंकार का प्रयोगकर विराम चिह्नों के आधार पर तथा शब्द के भावानुसार अभिनय कर अध्यापन करने से विद्यार्थी अध्ययन में विशेष रूचि लेते हैं।

तृतीय सत्र में वैदिक गणित विषय में स्थानीय विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य दिलीप बेहरा के द्वारा निखिलम् एवं एकाधिकेन विधी से कम समय में गणित को हल करने की विधी बताया गया। अंतिम सत्र में समता एवं विभिन्न खेलों के साथ आचार्य विकास वर्ग सम्पन्न हुआ।

उक्त वर्ग में रामचन्द्र अग्रवाल, रमेश कुमार कर, धनेश्वर साहू, जितेंन्द्र अग्रवाल, पुष्पलता साव एवं 55 आचार्य बन्धु ,भगिनी उपस्थित थे।

भाव विभोर होकर पढ़े तो सभी क्षेत्रों में उसकी विजय होगी- आचार्य अशोक तिवारी

भागवत महापुराण की कथा का प्रथम दिवस आयोजन

जाँजगीर (समय दर्शन)। भागवत महापुराण में कुंती स्तुति एक श्रेष्ठ और नवधा भक्ति से युक्त ईश्वर की प्रार्थना है व्यक्ति इसे रोज भाव विभोर होकर पढ़े तो सभी क्षेत्रों में उसकी विजय होगी और दुखों को सहने की शक्ति प्राप्त होगी वह समस्या आने पर घबड़ाये गया नही। ऊक्त बातें बालपुर में आयोजित भागवत में व्यास पीठ से आचार्य अशोक तिवारी ने भागवत महापुराण की कथा में प्रथम दिवस कही। आगे उन्होंने बताया कि कुंती स्तुति के पढ़ने से भक्ति में प्रबलता आती है यदि इसके अर्थ को समझें तो पता चलता है कि मनुष्य को भगवान से ऐसी प्रार्थना या स्तुति करनी चाहिए कि वह कहे हे प्रभु मुझे आपसे न तो सुख चाहिए और न तो दुख चाहिए बल्कि आपकी जो मर्जी है में उसी में राजी हूँ। क्योंकि आप किसी का अहित नही करते सब पर कृपा करते हैं । जिस प्रकार गंगा की अविरल धारा निरंतर बहते रहती है और अंत मे सागर में मिल जाती है

वैसे ही मेरी भी बुद्धि और मन हमेशा आपके भक्ति या याद में लगी रहे और अंत मे आपमें ही समाहित हो जाए । और इस प्रेम में मुझे कष्ट भी मिले तो सहर्ष स्वीकार है क्योंकि यह दुख आपसे जोड़कर मुझे जोड़कर रखता है। कुंती कहती है तो सुख बेकार है जो भगवान से दूरियां बढ़ाये । इस स्तुति में कहा गया है कि भगवान का अवतार ही अधर्म के नाश और धर्म की स्थापना के लिए होती है तो हमारे दुखों का निवारण भी उनके द्वारा किया जावेगा तो आपसे मांगने की क्या जरुरत होगी । आगे तिवारी ने कहा कि कुंती की यह स्तुति अद्भुत है जिसमे उन्होंने भगवन से दुख ही मांगी है वो कहती है पर हे कृष्ण संसार मे लोग सुख आने पर आपको भूल जाते हैं और विपत्ति आने याद करते है बस यही दुखों का कारण है। भागवत में यह बहुत सुंदर स्तुति है उनके भक्ति में डूबने की यह अविरल धारा है ओर यही कथा का रसामृत है।

गुरू घासीदास मेला एवं संत समागम हेतु गढ़फुलझर जोड़ा सेतखाम परिसर का निरीक्षण

बसना (समय दर्शन)। महासमुन्द जिला का बसना विकासखण्ड धार्मिक जागरूकता के कार्यों के लिए जाना जाता है। यहाँ समय समय पर अनेक मठ,मंदिरों, संस्था संगठनों के प्रयास से भजन, सत्संग, धार्मिक अनुष्ठान एवं समाज हित के कार्य संपादित होते रहते है।

गढ़फुलझर गढ़ मे कोलता समाज के तत्वावधान में आयोजित शारदीय नवरात्र के पावन पर्व पर आयोजित समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री रमनसिंह ने गढ़फुलझर के गढ़ को पर्यटन के रूप मे विकसित करने की योजना बनाये थे। इसी भाव से गढफुलझर के गढ़ परिसर मे विभिन्न समाज को अपने अपने आराध्य के पूजा स्थल व सामाजिक भवन हेतु भूमि आबंटित करने के साथ विकसित करने बढ़ावा दिया जा रहा है।

यहाँ अनेक वर्षों से जोड़ा सेत खाम स्थापित किया गया है। प्रतिवर्ष यहाँ सतनामी समाज द्वारा

18दिसम्बर गुरू घासीदास जयन्ती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित होते हैं ।

आगामी गुरू पर्व को धूमधाम से मनाने स्थानीय सतनामी समाज के आव्हान पर राजमहंत पी एल कोसरिया ने प्रदेश महासचिव लखन कुर्रे ,समाज प्रमुख अभय धृतलहरे, ब्लाक प्रमुख तरूवर कोसरिया,समाज सेवी खोलबाहरा निराला, रोहित कोसरिया, संत लाभो दास,हेमंत मिरी,मिलाप निराला, लिलेश्वर कोसरिया, उसत मिरी,गनपत कोसरिया,संत मनी दास, जीवन दास,देवदास रात्रे एवं समाज जन के साथ कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर आगामी कार्यक्रम को भव्य रूप से आयोजित करने रूपरेखा बनाये। इस दौरान स्थानीय सामाजिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री निवास का कहकर बीच रास्ते में मांगा ज्ञापन, किसान प्रतिनिधि मंडल ने किया इनकार, कहा ये तो धोखा है

राजनांदगांव (समय दर्शन)। प्रदेश किसान संघ के तत्वावधान में बुधवार को चार सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री का ब्यानार्षित करने के उद्देश्य से 6 नवंबर को आयोजित मुख्यमंत्री ध्यानाकर्षण यात्रा राजनांदगांव से रायपुर में भाग लेने हजारों की संख्या में किसान बसों एवं चार पहिया वाहनों से कृषि उपज मंडी पहुंचे थे।

एक दिन पूर्व मंगलवार को किसान संघ के प्रतिनिधियों की कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में यात्रा एवं चारों मांगों पर विस्तृत चर्चा हुई थी। चार मांगों में से तीन मांगे राजीव गांधी किसान न्याय योजना की चौथी किश्त 117 रुपये समर्थन मूल्य का लाभ देते हुए, 3217 रूपये की दर से धान खरीदी, धान खरीदी 13 फरवरी तक चलाने की मांग नीति विषयक है और यह जिला प्रशासन के अधिकार क्षेत्र से बाहर का विषय बताया गया एवं चौथी मांग रबी फसल धान की उपज को हतोत्साहित नहीं करने की मांग की जा रही है, पर कलेक्टर ने विस्तार से बात रखी एवं धान बोने पर आर्थिक दंड की बात को निराधार एवं भ्रामक बताया। किसान प्रतिनिधियों के आग्रह पर इस संबंध में निर्देश जारी करने सहमति जताई

एवं तत्काल निर्देश निकलवाया भी एवं यात्रा से पहले किसानों से चर्चा की इच्छा भी जताई, कृषि उपज मंडी या जिला कार्यालय में मिलने की बात कही। यात्रा शुरू करने के पहले किसानों ने आपस में चर्चा की एवं कलेक्टर के आमंत्रण के मद्देनजर जिला कर्यालय होते हुए यात्रा आगे बढ़ाने का तय कर एडीएम के माध्यम से सूचना दी गई। कलेक्टर स्वयं कृषि उपज मंडी पहुंचे, किसानों को अपनी बातें विस्तार से बताई एवं कहा कोई आर्थिक दंड का निर्देश जारी नहीं हुआ है, हम कम पानी चाहने वाली अधिक आमदानी की फसल लेने किसानों से अपील कर रहे है। कौन सी फसल लेना है ये तो किसान को ही तय करना है।

आगे यात्रा को लेकर प्रशासन और किसानों में लंबे संवाद के बाद तय हुआ कि मुख्यंत्री ध्यानाकर्षण यात्रा अंजोरा तक निकाली जावेगी एवं वहां से दस सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल प्रशासन के साथ मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर उपलब्ध प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपेगा।

मुख्यमंत्री ध्यानाकर्षण यात्रा कृषि उपज मंडी से प्रारंभ होकर अंजोरा में संपन्न हुई। आगे प्रतिनिधि मंडल को कुम्हारी टोल नाका पर रोका गया। बड़ी संख्या में पुलिस तैनात थी। यहां पर उपस्थित एक अधिकारी को ज्ञापन सौंपने कहा गया, जिन्हें मुख्यमंत्री निवास का प्रतिनिधि बताते हुए मुख्यमंत्री तक बात पहुंचाने का आश्वासन दिया गया। प्रतिनिधि मंडल ने बार-बार निवेदन किया कि किसानों ने हमें मुख्यमंत्री निवास तक ज्ञापन पहुंचाने भेजा है, वहां पर हम किसी विशिष्ट व्यक्ति या अधिकारी को ज्ञापन देन की बात नहीं कर रहे, हम किसी भी स्टॉफ को ज्ञापन सौंपने तैयार है, पर बहुत सारे नियम कायदों का हवाला देते हुए कहा गया कि आप लोग वहां नहीं जा सकते। ऐसे में बिना ज्ञापन दिए ही प्रतिनिधि मंडल वहां से वापस लौट आया।

प्रदेश किसान संघ ने इसे किसानों के साथ धोखा करार दिया है। पहले बताया गया होता कि मुख्यमंत्री निवास के बजाए बीच रास्ते में ज्ञापन दिया जाना है, तो हम उनके साथ जाते ही क्यों, अपनी यात्रा अंजोरा तक सीमित करने की बात भी नहीं मानते। प्रशासन को इस तरह की चालाकियों से बचना चाहिए, इससे न सिर्फ उनकी विश्वसनीयता खत्म होती है, बल्कि सरकार के खिलाफ भी आप आक्रोश पैदा करते है।

मानपुर के किसानों को भी रोका गया। मुख्यमत्री ध्यानाकर्षण यात्रा में भाग लेने आ रहे किसाना को मानपुर पुलिस ने नहीं। आने दिया तय कार्यक्रम के अनुसार दूरी को देखते हुए मोहला मानपुर के किसानों को 5 नवंबर मंगलवार की रात तक राजनांदगाव पहुंचना था। एक-एक कर आ रही गाड़ियों को पुलिस भगाते गई देर रात कुछ गाड़ियों को रोकने पर पुलिस को कार्यक्रम का अनुमति पत्र भी वाट्सएप के माध्यम से भेजा गया, ज्ञापन की प्रति मांगी गई वो भी भेजी गई बाद में अधिकारी फोन पर बात करने से इंकार कर दिए और 30 हजार का चालान काटने की धमकी किसानों को दिए। फिर विवश होकर किसानों को वापस होना पड़ा। प्रदेश किसान संघ पुलिस एवं प्रशासन के इस तरह के रवैय्ये की निंदा करता है।

प्रशासन एवं पुलिस गैर जिम्मेदार व अलोकतांत्रिक रवैय्ये से जनता में आक्रोश सरकार के खिलाफ भड़कता है। हमें पूरा भरोसा है कि सरकार अधिकारियों के ऐसे रवैय्ये से सहमत नहीं होगी।

सार समाचार

चाकू के साथ दो गिरफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह के दिशा निर्देशन पर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पश्चिम दौलत राम पोर्ते अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर लखन पटले के मार्गदरशन तथा नगर पुलिस अधीक्षक राजेश देवांगन के पर्यवेक्षण में अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने व चाकुबाजो के ऊपर कार्यवाही हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना पुरानी बस्ती पुलिस के कार्य से अवैध रुप से चाकू रखे चाकुबाजो को गिरफ्तार करने में सफ्लता प्राप्त हुई। नाम आरोपी- 01. आशीष यादव उर्फ बबलू पिता बीरेंद्र यादव उम्र 25 वर्ष निवासी गिट्टी खदान कुशालपुर शिव मंदिर के पास थाना पुरानी बस्ती जिला रायपुर छत्तीसगढ़ । 02. खेमकरण ध्रुव उर्फ फाइटर पिता गणेश ध्रुव उम्र 20 वर्ष निवासी इंदिरा चौक पटवा दुकान के सामने आदिवासी कॉलोनी कुशालपुर थाना पुरानी बस्ती जिला रायपुर छत्तीसगढ़। धारधार दो नग लोहे का बटनदार चाकू जब्त किया।

शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर लाखों की ठगी

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी रायपुर में साइबर ठगी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक रिटायर्ड शिक्षक को ऑनलाइन ठगी का शिकार बनाया गया। ठगों ने शेयर मार्केट में निवेश का झांसा देकर 33 लाख 57 हजार रुपए की ठगी कर दी। यह घटना रायपुर के मुजगहन थाना क्षेत्र की है, जहां रिटायर्ड शिक्षक चंद्रमणि पांडेय ने ठगों के द्वारा किए गए झांसे में आकर भारी रकम निवेश कर दी। साइबर ठग ने खुद को प्रोफेसर बताकर चंद्रमणि पांडेय से संपर्क किया और शेयर मार्केट में निवेश करने का लालच दिया। ठग ने प्रोफेसर बनकर एक लिंक भेजा, जिससे पांडेय ने शेयर मार्केट में ट्रेडिंग शुरू करने का निर्णय लिया। साइबर ठग ने रिटायर्ड शिक्षक से एक के बाद एक कई किश्तों में पैसे जमा करवाए। शुरुआत में शेयर बाजार में लाभ मिलने का दावा किया गया, जिसके बाद रिटायर्ड शिक्षक ने विश्वास करके और अधिक पैसे जमा किए। लेकिन जैसे ही उन्होंने और पैसे भेजे, उनके अकाउंट से पैसे कटने शुरू हो गए। इस ठगी में रिटायर्ड शिक्षक के अकाउंट से कुल 33 लाख 57 हजार रुपये कट गए, जिसके बाद पीड़ित रिटायर्ड शिक्षक को एहसास हुआ कि वह ठगी का शिकार हो गए हैं। तुरंत उन्होंने मुजगहन थाना में रिपोर्ट दर्ज करवाई, और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि ठगों को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा और यह मामला साइबर अपराध के तहत दर्ज किया गया है।

समाजसेवी सच्चिदानंद उपासने ने कहा कि आज हवन के साथ में धर्म परिवर्तित लोगों ने घर वापसी की है.

रायपुर में 321 लोगों की हिंदू धर्म में घर वापसी

जगद्गुरु नरेंद्राचार्य महाराज ने किया मार्गदर्शन

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी रायपुर के शंकर नगर स्थित बीटीआई ग्राउंड में जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी नरेंद्राचार्य महाराज दक्षिण पीठ धाम के द्वारा एक दिवसीय प्रवचन दर्शन और मार्गदर्शन कार्यक्रम रखा गया. इस कार्यक्रम में 50 परिवारों के करीब 321 लोगों की हिंदू धर्म में घर वापसी करवाई गई.

जानकारी देते हुए छत्तीसगढ़ पीठ के प्रमुख घनश्याम माहेश्वरी ने बताया कि स्वामी जगद्गुरु रामानंदाचार्य के द्वारा जो दक्षिण भारत रत्नागिरी से पीठेश्वर हैं. जगतगुरु नरेंद्र महाराज के संस्थान द्वारा आयोजित किया गया था. उन्होंने कहा आज मार्गदर्शन और शुद्धिकरण का कार्यक्रम था. जो हिंदू दूसरे धर्म में चले गए थे. उन्होंने खुद यहां पर आकर हिंदू धर्म में घर वापसी की है. यह सभी जिलों से लोग आए थे, जिसमें धमतरी, दुर्ग, बालोद, राजनांदगांव, महासमुंद, बिलासपुर जैसे विभिन्न प्रांतों के लोग शामिल थे. इस अवसर पर समाजसेवी सच्चिदानंद उपासने ने कहा कि आज हवन के साथ में धर्म परिवर्तित लोगों ने घर वापसी की है. उन्होंने बताया कि देशभर

में भ्रमित होकर दूसरे धर्मों को अपनाने वाले हिंदू परिवारों को मार्गदर्शन देकर घर वापसी करवाई जा रही है. करीब 1 लाख 65 हजार परिवारों का अब तक हिंदू धर्म में वापसी हो चुका है, जो अस्थाई नहीं स्थाई रूप से घर वापसी होती है. वही हिंदू धर्म से दूसरे धर्म में चले गए कुछ लोगों ने बातचीत करते हुए बताया कि दोस्त लोगों के साथ में चले गए थे. धीरे-धीरे सब जानने लगे, परिवार वाले भी जानने लगे. बाद में बताया गया कि सबको उन्हें छोड़ना पड़ेगा, समाज में भी अलग होना पड़ेगा. समाज में भी कहा गया था कि वहां जाओगे तो छोड़ दिया जाएगा. लालच नहीं दिया गया था. वहां जाने से सब ठीक होता है यह सुनकर वे लोग गए थे. दल्ली राजहरा से करीब 6 से 7 लोग दूसरे धर्म में चले गए थे. इस अवसर पर समाजसेवी सच्चिदानंद उपासने ने कहा कि आज हवन के साथ में धर्म परिवर्तित लोगों ने घर वापसी की है. उन्होंने बताया कि देशभर में भ्रमित होकर दूसरे धर्मों को अपनाने वाले हिंदू परिवारों को मार्गदर्शन देकर घर वापसी करवाई जा रही है. करीब 1 लाख 65 हजार परिवारों का अब तक हिंदू धर्म में वापसी हो चुका है, जो अस्थाई नहीं स्थाई रूप से घर वापसी होती है. वही हिंदू धर्म से दूसरे धर्म में चले गए कुछ लोगों ने बातचीत करते हुए बताया कि दोस्त लोगों के साथ में चले गए थे.

कांग्रेस का हाथ सदैव अपराधियों के साथ : विधायक खुशवंत साहेब

रायपुर(समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी के विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने कांग्रेस को अपराधियों की पार्टी बताते हुए कहा है कि कांग्रेस आज राजनीतिक दल कम, अपराधियों के संगठित गिरोह की शक्ल ज्यादा अख्तियार कर चुकी है। अमूमन हर बड़े अपराधों या आपराधिक षड्यंत्रों में कांग्रेस नेताओं या फिर उनके बेहद करीबियों की संलिप्तता लगातार सामने आ रही है। खुशवंत साहेब ने कहा कि कांग्रेस का यह राजनीतिक चरित्र हो चला है और उसने राजनीति का अपराधीकरण और अपराधियों का कांग्रेसीकरण करने में कोई कसर बाकी नहीं रखी है। खुशवंत साहेब ने कहा कि कांग्रेस को अब अपराधियों की पार्टी कहना कतई अतिशयोक्ति नहीं होगा क्योंकि कांग्रेस केवल अपराधियों को संरक्षण देने का काम करती रही है। कांग्रेस पार्टी के नेता और कार्यकर्ता बड़े-बड़े अपराधों में संलिप्त पाए जा रहे हैं। बलौदाबाजार की हिंसा और आगजनी की घटना में कांग्रेस के विधायक देवेंद्र यादव अभी तक जेल में हैं और उन्हें जमानत भी नहीं मिल पा रही है। सूरजपुर की घटना में एक पुलिसकर्मी की पत्नी एवं बेटी की निर्मम हत्या कांग्रेस के कार्यकर्ता ही करते हैं। खुशवंत साहेब ने कहा कि एनएसयूआई के कार्यकर्ता किसानों को धमकी देते हैं और उनकी जमीन छीनने की कोशिश करते हैं। बलौदाबाजार के मेडिकल कॉलेज में दाखिला दिलाने के नाम पर 40 लाख रुपए की ठगी कांग्रेस के नेता एवं उनके भाई द्वारा की जाती है। इससे साबित होता है कि कांग्रेस अपराध और अपराधियों को संरक्षण देने वाली पार्टी है और उन अपराधियों के संरक्षक और सबसे बड़े पैरोकार स्वयं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं।

महतारी वंदन योजना से दीपावली की खुशियां हुई दोगुनी

दीपावली से पूर्व महतारी वंदन योजना की राशि मिलने से महिलाओं ने दीपावली पर की खुशियों की खरीदी

रायपुर(समय दर्शन)। महतारी वंदन योजना से दीपावली की खुशियां हुई दोगुनीमहतारी वंदन योजना से दीपावली की खुशियां हुई दोगुनीमहतारी वंदन योजना से दीपावली की खुशियां हुई दोगुनी हमारे देश के सबसे प्रमुख त्यौहार दीपावली को हर्षोल्लास के साथ सभी मनाते हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ में इस बार दीपावली का त्यौहार महिलाओं के लिए दोगुनी खुशियॉ लेकर आया है। यह खुशियॉ उन्हें महतारी वंदन योजना की 9वीं किस्त की राशि से मिली है, जिसे दीपावली से पूर्व ही मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दीपावली की खुशियों के रूप में छत्तीसगढ़ की महिलाओं के खाते में अंतरित कर दिया था। महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की लगभग 70 लाख माताओं एवं बहनों के बैंक खातों में प्रतिमाह एक-एक हजार रूपये का अंतरण किया जाता है, जिसमें बालोद जिले की 02 लाख 52 हजार से अधिक महिलाएं भी प्रतिमाह लाभान्वित हो रही हैं। दीपावली त्यौहार के अवसर पर बालोद जिले की महिलाओं ने अपने बैंक खातों में एक-एक हजार रूपए राशि अंतरित होने पर खुशी जाहिर करते हुए अपने विष्णु भैय्या के प्रति आभार व्यक्त किया है। बालोद जिले के ग्राम सिवनी की देवकी बाई ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हे प्रतिमाह महतारी वंदन योजना के तहत एक हजार रूपए उनके खाते में मिल रहा है, जिसे वह अपने बैंक में जमा कर रही है। अभी दिपावली के अवसर पर इससे वह अपने घर में सभी के लिए कपड़े और जरूरी सामान खरीदी है, जिससे उन्होंने दिपावली का त्यौहार काफी खुशी से मनाया है। उसने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय उनके बड़े भाई की तरह उनका ख्याल रख रहे हैं, और इस माह दीपावली त्यौहार के पूर्व राशि अंतरित कर उन्होंने अपनी बहनों की खुशियों को दोगुना किया है, जिसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री साय का आभार व्यक्त किया है। ईश्वरी सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने दीपावली त्यौहार के पूर्व हमें महतारी वंदन योजना की राशि उपलब्ध कराया है, इससे उन्होंने अपने लिए साड़ी ली है।

रायपुर दक्षिण उपचुनाव : अमर अग्रवाल ने चुनावी अभियान को दी गति

युवाओं की भागीदारी पर दिया जोर

रायपुर(समय दर्शन)। रायपुर दक्षिण उपचुनाव की तैयारियों के तहत भाजपा के वरिष्ठ नेता और सदर मंडल प्रभारी अमर अग्रवाल ने विवेकानंद वार्ड में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ विशेष बैठक की। बैठक में पार्टी की विचारधारा को घर-घर पहुंचाने, चुनावी रणनीतियों पर चर्चा, और मतदाताओं से प्रभावी संवाद स्थापित करने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की गई। अमर अग्रवाल ने प्रवासी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में क्षेत्र के हर हिस्से में पार्टी की उपस्थिति को मजबूत बनाने और चुनावी गतिविधियों को गति देने पर जोर दिया। अमर अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए मतदाताओं को पार्टी के पक्ष में प्रभावी ढंग से आकर्षित करना आवश्यक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को चुनावी मैदान में मजबूती से उतरने के लिए प्रेरित किया और उन प्रभावी तरीकों को अपनाने की सलाह दी जिससे भाजपा का समर्थन व्यापक स्तर पर जुटाया जा सके। युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के साथ हुई बैठक में अग्रवाल ने युवाओं की भूमिका को सशक्त बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा और विचारशीलता इस चुनाव में महत्वपूर्ण साबित होगी। युवाओं को प्रेरित करते हुए उन्होंने उन्हें पार्टी का मजबूत स्तंभ बनने की अपील की। रायपुर के नेहरू नगर में भाजपा के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन करते हुए अमर अग्रवाल ने कहा कि यह कार्यालय क्षेत्र के नागरिकों से संवाद और उनकी समस्याओं का समाधान करने में सहायक होगा। उन्होंने इसे पार्टी की चुनावी गतिविधियों के संचालन और समन्वय का सशक्त मंच बताया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों की उपस्थिति में अग्रवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं को रायपुर दक्षिण से पार्टी की जीत के संकल्प को दोहराने के लिए प्रोत्साहित किया।

सेलेकोर गैजेट्स लिमिटेड ने स्मार्ट टीवी के लिए करीना कपूर खान को ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया

नई दिल्ली। सेलेकोर गैजेट्स लिमिटेड (NSE SME: CELLECOR), जो भारत की सबसे तेजी से बढ़ती टेक्नोलॉजी कंपनियों में से एक है, ने बॉलीवुड सुपरस्टार करीना कपूर खान को अपने स्मार्ट टीवी की ब्रांड एंबेसडर के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की। यह सहयोग सेलेकोर की विकास रणनीति में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य तेजी से बढ़ते स्मार्ट टीवी बाजार में अपनी उपस्थिति को मजबूत करना है। करीना की प्रतिष्ठित अपील और स्टाइलिश व्यक्तित्व के माध्यम से कंपनी भारतीय उपभोक्ताओं के साथ अपने संबंधों को गहरा करना चाहती है। करीना कपूर खान अपनी सुंदरता, करिश्मा और ट्रेंड सेटिंग प्रभाव के लिए जानी जाती हैं, जो सेलेकोर के उच्च गुणवत्ता, सुलभ और अभिनव इलेक्ट्रॉनिक्स के दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह मेल खाती हैं। सेलेकोर स्मार्ट टीवी के चेहरे के रूप में, वह आधुनिक भारतीय परिवारों की बदलती जरूरतों को पूरा करता उत्कृष्ट मनोरंजन समाधान प्रदान करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को पेश करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उनकी गतिशील उपस्थिति और संबंधित करिश्मा उन्हें सेलेकोर के स्मार्ट टीवी रेंज का प्रतिनिधित्व करने के लिए आदर्श विकल्प बनाते हैं।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने मलप्पुरम जिले के अकम्पदम में वायनाड उपचुनाव से पहले रोड शो किया.

भारत का पहला वैश्विक भैरव अष्टमी महोत्सव 15 नवंबर से

रायपुर/ समय दर्शन। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की दिशा में अखिल भारतीय बटुक भैरव भक्त मंडल, राष्ट्र संत डॉ. वसंत विजय जी महाराज, जो कि पार्श्व पद्मावती शक्ति पीठ धाम, कृष्णगिरि, तमिलनाडु के पीठाधीश्वर हैं, के नेतृत्व में 15 नवंबर से 23 नवंबर तक नौ दिवसीय भव्य भैरव अष्टमी महोत्सव का आयोजन कर रहा है। यह आयोजन मध्य प्रदेश के नीमच स्थित दशहरा मैदान में होगा और भक्ति तथा सांस्कृतिक धरोहर का अनूठा संगम प्रस्तुत करेगा। डॉ. वसंत विजय जी महाराज के अनुसार भैरव अष्टमी पर आयोजित कष्ट हरण महायज्ञ और कथा साधना का विशेष महत्व है। इसका उद्देश्य देश को संभावित आर्थिक संकट और महामारी से बचाना है। यह यज्ञ न केवल देश की सुख-समृद्धि और शांति के लिए किया जाएगा, बल्कि भक्तों के लिए भक्ति और आस्था का प्रकाश भी प्रसारित करेगा। 27 राज्यों और 12 देशों से आने वाले भक्तों की उपस्थिति में इस महोत्सव का मुख्य आकर्षण 84,000 वर्ग फीट की रंगोली होगी, जो लगभग 2 एकड़ में फैली होगी। यह रंगोली प्रमुख आध्यात्मिक गुरुओं और राष्ट्रीय नायकों के चित्रों से सजी होगी, जो भारत की सामाजिक समरसता, एकता, और आतंकवाद के खिलाफ अडिग संकल्प का प्रतीक होगी। यह आयोजन भारतीय कला और संस्कृति की समृद्धि को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करेगा और 50 से अधिक प्रतिष्ठित विश्व रिकॉर्ड संस्थानों में दर्ज होने का प्रयास करेगा। इस महत्वाकांक्षी पहल का उद्देश्य भारत की सांस्कृतिक समृद्धि को उजागर करना और देश की वैश्विक पहचान को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाना है।

मानव को प्रकृति से जोड़ने का पर्व है सूर्य आराधना छठ पूजन : मुख्यमंत्री साय

जलस्रोतों के संरक्षण व संवर्द्धन का संकल्प लेने मुख्यमंत्री ने किया आह्वान

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज शाम यहां राजधानी रायपुर के महादेव घाट पर आयोजित छठ महापर्व कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी को छठ पर्व की शुभकामनाएं दी और कहा कि सूर्य आराधना छठ पूजन मानव को प्रकृति से जोड़ने का पर्व है। मुख्यमंत्री श्री साय खारुन नदी तट पर छठी मैया की मंगल आरती में भी शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन छठ पर्व आयोजन समिति महादेव घाट द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छठ महापर्व के इस कार्यक्रम में आकर मैं स्वयं को बहुत सौभाग्यशाली अनुभव कर रहा हूँ। इस भव्य आयोजन के लिए मैं आयोजन समिति को बहुत बहुत बधाई देता हूँ। छठ महापर्व की प्रतीक्षा उपासक वर्ष भर करते हैं। इस महापर्व पर दूर-दूर से लोग चाहे कहीं भी रह कर काम कर रहे हों, वे छठ पूजा में शामिल होने पहुंचते हैं। सरकार के द्वारा भी छठ पर विशेष रेल आदि परिवहन की व्यवस्था की जाती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सूर्य भगवान की उपासना के इस पर्व में कठिन व्रत रखा जाता है। हमारी माताएं-बहनें निर्जला उपवास रखती हैं। छठ महापर्व हमें प्रकृति से भी जोड़ता है। नदी, तालाब आदि जल-स्त्रोत के करीब घाटों पर छठ की पूजा होती है, इस तरह इस पर्व में हम प्रकृति के समीप पहुंचते हैं। छठ पर्व पर हमें नदी और तालाब जैसे हमारे जल-स्त्रोतों के भी संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लेना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं आज दिवंगत गायिका शारदा सिन्हा को भी श्रद्धांजलि देना चाहूंगा। उनके छठ गीतों को हमारी पूरी पीढ़ी ने सुना है। मैं छठी मैया और सूर्य भगवान से सभी छत्तीसगढ़ वासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करता हूँ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि जिन पंचमहाभूतों से हमारे शरीर का निर्माण हुआ है उनकी पूजा इस पर्व में होती है। छठ महापर्व ऐसा पर्व है जिसमें उगते सूर्य के साथ अस्त होते सूर्य को भी अर्घ्य दिया जाता है। सभी के ऊपर छठी माई की कृपा बनी रहे। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि पिछले 10-15 सालों से महादेव घाट समिति द्वारा लगातार छठ पूजा का आयोजन किया जा रहा है। छठ में अस्त होते सूर्य की आराधना हमें जीवन जीने का तरीका सिखाती है। इस पर्व का संदेश है कि जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव से हमें कभी परेशान नहीं होना चाहिए।

अलग-अलग क्षेत्र से तीन दोपहिया वाहन पार

रायपुर(समय दर्शन)। मोवा और मौदहापारा थाना क्षेत्र से अज्ञात चोर ने तीन दोपहिया वाहन पार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मौलीपारा तेलीबांधा निवासी संजू साहू ने मोवा थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एलपी 0532 को जिला अस्पताल पंडरी के सामने खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 15 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं दूसरे मामले में गुरूनानक चौक निवासी सैयद मोहम्मद जुनैद ने मौदहापारा थाना में शिकायत किया कि वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 एमडी 6227 व सीजी 04 एमजेड 0597 को अपने घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए दोनों एक्टिवा की कीमत करीब 45 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। पुलिस ने दोनों ही मामलों में अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

संपादकीय

भारत की आर्थिक बदहाली

असल मुद्दा यह है कि आखिर भारतीय अर्थव्यवस्था में बाहरी कारोबार से प्रतिस्पर्धा एवं मुनाफा देने की क्षमता इतनी कमजोर क्यों बनी हुई है? इस प्रश्न का ठोस उत्तर नहीं ढूंढा गया, तो भारत की आर्थिक बदहाली बढ़ती ही जाएगी। भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता इतनी कमजोर क्यों है कि हर व्यापार मुकाबले में वह पिट जाती है? देश सही दिमागी हालत में हो तो इस सवाल से उसकी नींद उड़ जानी चाहिए। बहुपक्षीय मुक्त व्यापार समझौतों से भारत को नुकसान की आशंका से ग्रस्त नरेंद्र मोदी सरकार ने क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक पार्टनरशिप (आरसीईपी) करार से अंतिम मौके पर खुद को अलग कर लिया था। तब हौव्वा बनाया गया कि ऐसा समझौते में शामिल अन्य देशों के रास्ते चीन की उत्पादों डंपिंग से बचने के लिए किया गया। उसके बाद मोदी सरकार ने द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौतों का रास्ता अपनाया। यूएई, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन आदि से ऐसे करार हुए। ब्रिटेन सहित कई देशों से द्विपक्षीय समझौते पर बातचीत चल रही थी। मगर अब अचानक सरकार ने ऐसी सभी वार्ताओं पर विराम लगाने का फैसला किया है। वजह हाल के वर्षों में हुए सभी ऐसे समझौतों से भारत को हो रहे बड़े व्यापार घाटे को बताया गया है। साथ ही सरकार ने 2010 में आसियान से हुए करार का भी जिक्र किया है, जिसकी वजह से भारत को लगातार व्यापार घाटा हुआ है। कहा जाता है कि उसके परिणामस्वरूप कई भारतीय कारोबार तबाह हो गए। मोदी सरकार ने आसियान से कई बार इस समझौते पर पुनर्विचार को कहा है, जिसे उसे स्वीकार नहीं किया है। इस बीच यूएई से हुए बहुचर्चित करार के बारे में सामने आया है कि इस वित्त वर्ष की पहली छमाही में वहां से आयात 52 फीसदी बढ़ा, जबकि निर्यात में सिर्फ 11.45 प्रतिशत का इजाफा हुआ। इसके अतिरिक्त एक नई चिंता यह पैदा हुई है कि इन समझौतों के कारण भारतीय निवेशकों को वहां जाकर निवेश करने के अवसर मिले हैं, जिसका वे खूब लाभ उठा रहे हैं। जबकि भारत को खुद बड़े निवेश की आवश्यकता है। यानी नुकसान ही नुकसान! तो अब खुशफहमियों से निकलने की जरूरत है। असल मुद्दा यह है कि आखिर भारतीय अर्थव्यवस्था में बाहरी कारोबार से प्रतिस्पर्धा एवं मुनाफा देने की क्षमता इतनी कमजोर क्यों बनी हुई है? इस प्रश्न का ठोस उत्तर नहीं ढूंढा गया, तो भारत की आर्थिक बदहाली बढ़ती ही जाएगी।

पिछड़े पाकिस्तान में जहर फैला रहा है भगोड़ा जाकिर नाइक

योगेंद्र योगी

विश्व के देश आपसी सहयोग से आर्थिक तरक्की कर रहे हैं, वहीं पड़ौसी देश पाकिस्तान कट्टरपन और दकियानूसी सोच के चलते रसातल में जा रहा है। पाकिस्तान को जरूरत है विश्वस्तरीय ऐसे विशेषज्ञों की जोकि विकास के सभी क्षेत्रों में दिशा दे सकें। इसके विपरीत पहले से ही बदहाली के कुए में गिरे पाकिस्तान को गहरे अंधकूप में धकेलने का काम कर रहा है कथित धर्म प्रचारक जाकिर नाइक। भारत में मोस्ट वांडेड अपराधी जाकिर नाइक लोगों को धर्म के नाम पर बेतुकी और बेबुनियाद जानकारी देकर ज्यादा जाहिल बनाने का प्रयास कर रहा है। पाकिस्तान पहले ही बर्बादी के दौर से गुजर रहा है, ऐसे में जाकिर नाइक जैसा अपराधी उसे और धक्का लगा रहा है।

विश्व बैंक के मुताबिक पाकिस्तान में 40 प्रतिशत से ज्यादा आबादी गरीबी रेखा से नीचे रहती है। साल 2023 में पाकिस्तान में गरीबी दर 39 प्रतिशत हो गई थी। अर्थात एक साल के अंदर ही गरीबी दर 34.2 प्रतिशत से बढ़कर 39.4 प्रतिशत हो गई। इस वजह से, 1.25 करोड़ और लोगों को गरीबी रेखा से नीचे आना पड़ा था। इस तरह, अब पाकिस्तान में 9.5 करोड़ लोग गरीबी में जी रहे हैं। पाकिस्तान आईएमएफ का चौथा सबसे बड़ा कर्जदार है। पहले पाकिस्तान पांचवें नंबर पर था। पाकिस्तान जब से आजाद हुआ है, तब से आईएमएफ से मिलने वाला ये 23 बार कर्ज ले चुका है। 31 मार्च 2023 तक पाकिस्तान पर आईएमएफ का 7.4 अरब डॉलर का कर्जा था और पाकिस्तान आईएमएफ का पांचवां सबसे बड़ा कर्जदार था। नए तीन अरब डॉलर के कर्ज के साथ पाकिस्तान के ऊपर कुल 10.4 अरब डॉलर का कर्जा हो जाएगा। भारतीय करंसी में ये रकम 852.39 लाख करोड़ रुपये होती है। इस हिसाब से पाकिस्तान आईएमएफ का चौथा सबसे बड़ा कर्जदार बन जाएगा। मुल्ले-मौलवियों के इस देश में 5 से 16 साल की उम्र के करीब 2.53 करोड़ बच्चे स्कूल नहीं जा रहे हैं। इनमें से 1.88 करोड़ बच्चे ग्रामीण इलाकों में रहते हैं। इन बच्चों में 53 प्रतिशत लड़कियां हैं। देश की इस बदहाली को दूर करने के लिए विश्व से विशेषज्ञों को आमंत्रित करने के बजाए पाकिस्तान की सरकार ने भारत के भगोड़े जाकिर नाइक को उपदेश देने के लिए देश का मेहमान बना कर बुलाया। कथित मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों में वांछित विवादास्पद इस्लामिक उपदेशक जाकिर नाइक इस्लामाबाद, कराची और लाहौर में अपनी व्याख्यान श्रृंखला के लिए कड़ी सुरक्षा के बीच पाकिस्तान में मौजूद है। पाकिस्तान में सरकार के शीर्ष नेताओं ने उनकी अगवानी की, जिसमें पाकिस्तान के प्रधान मंत्री के युवा कार्यक्रम के अध्यक्ष राणा मशहूद और धार्मिक मामलों के मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव सैयद अता-उर-रहमान शामिल थे।

जाकिर नाइक अपने भड़काऊ भाषणों के लिए जाना जाता है और वर्तमान में भारत सरकार की राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा 2016 के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में वांछित है। उस पर अपने नफरत भरे भाषण से लोगों को भड़काने का भी आरोप है। नाइक पीसटीवी नाम से एक चैनल चलाता है, जिसे उसके विवादास्पद स्वभाव के कारण भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका में प्रतिबंधित कर दिया गया है और इसके कारण उसे कनाडा और यूनाइटेड किंगडम में प्रवेश से भी वंचित कर दिया गया है। पाकिस्तान पहुंचे विवादास्पद इस्लामी उपदेशक जाकिर नाइक ने पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस पर अतिरिक्त सामान के लिए शुल्क माफन करने को लेकर तीखा हमला किया। वह मलेशिया से पाकिस्तान यात्रा कर रहा था और एयरलाइन ने नाइक को केवल 50 प्रतिशत की छूट की पेशकश की। नाइक ने कहा कि उसके अपने देश में ऐसा कभी नहीं होता। उसने भारत की ओर इशारा करते हुए यह बात कही। इस्लामी उपदेशक की ये टिप्पणियां सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गईं। जहां कई यूजर्स ने जाकिर नाइक को ट्रोल किया और आलोचना की। यह इस्लामी उपदेशक 2016 में भारत से भागा हुआ है, जब बांग्लादेश में हुए आतंकवादी हमलों के बाद नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआइए) ने उसके खिलाफ मामला दर्ज किया था। एक हमलावर ने कबूल किया था कि वह नाइक के यूट्यूब पर दिए गए उपदेशों से प्रभावित था। तब से नाइक मलेशिया में रह रहा है, जहां वह अपना उपदेश और व्याख्यान देना जारी रखे हुए है। भारत ने उसके प्रत्यर्पण की मांग की है, लेकिन मलेशिया ने अब तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। केंद्र सरकार ने उसे भगोड़ा घोषित कर रखा है, उसकी इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन को बैन कर दिया और उनका पासपोर्ट रद्द कर दिया। इससे पहले 20 अगस्त को भारत की यात्रा पर आए मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा था कि अगर भगोड़े प्रचारक जाकिर नाइक से जुड़े मामले में पर्याप्त सबूत पेश किए जाते हैं तो देश आतंकवाद को बढ़ावा नहीं देगा। भारत से फरार होने के बाद जाकिर मलेशिया में रह रहा है।

भगोड़ा इस्लामिक उपदेशक नाइक ने पाकिस्तान की यात्रा के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर मुज्जमिल इकबाल हाश्मी और अन्य सदस्यों के साथ मुलाकात की। नाइक, जब 30 सितंबर को पाकिस्तान पहुंचा था, तब लाहौर में आतंकवादी संगठन के सदस्यों द्वारा उसका गर्मजोशी से स्वागत किया गया था। पाकिस्तान में नाइक धर्म की आड़ में नफरत और कट्टरपन फैला रहा है।

शरिया हुकूमत की बातें करने वाला जाकिर नाइक एक कार्यक्रम में अचानक भड़क गया। इस्लामाबाद में अनाथ बच्चों के लिए चैरिटी कार्यक्रम में जब अवॉर्ड देने का मौका आया तो जाकिर नाइक तिलमिला गया। पाकिस्तान स्वीट होम का कार्यक्रम था और स्टेज पर जाकिर आया तो उसने अनाथ बच्चों को अवॉर्ड देने से मना कर दिया। जाकिर ने कहा कि ये लड़कियां ना-महरम हैं और इसलिए वह अवॉर्ड नहीं देगा। ना-महरम का मतलब एक तरह की अज्ञात पहचान, अनजान, पराया होता है। नाइक की इस हरकत से पाकिस्तान के जागरुक लोगों ने उसके खिलाफतीखी प्रतिक्रिया जताई। इस कार्यक्रम से कुछ घंटे पहले उसने पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ से गुफ्तगू की। शरीफ ने नाइक के इस्लामिक ज्ञान की तारीफ की और कहा कि वह व्यावहारिक और प्रभावशाली हैं। पाकिस्तानी चर्च सिनड (धर्मसभा) के अध्यक्ष बिशप रेव. डॉ. आजाद मार्शल ने राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को हाल ही में लिखे पत्र में डॉ. जाकिर नाइक की यात्रा के दौरान ईसाई समुदाय और उनकी आस्था के बारे में की गई टिप्पणियों के बारे में अपनी चिंता जाहिर की। उन्होंने पत्र में सरकार द्वारा नाइक की टिप्पणियों को लेकर खेद व्यक्त न करने की आलोचना भी की। बिशप ने कहा कि नाइक ने खुले तौर पर हमारे विश्वास की प्रामाणिकता पर सवाल उठाया, हमारे पवित्र ग्रंथों को बदनाम किया और ऐसे बयान दिए जो ईसाई पादरियों और विद्वानों की मान्यताओं को कमजोर करते हैं। इसी तरह जाकिर ने औरतों की बेइज्जती करने में कसर नहीं छोड़ी। एक कार्यक्रम में नाइक ने कहा कि अविवाहित औरतें बाजारू होती हैं। इस टिप्पणी के बाद पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर खूब हंगामा हुआ। पाकिस्तान में लोगों को शरीयत और इस्लाम का पाठ पढ़ाने वाले मुल्ले-मौलवियों की कमी नहीं है। इनका दखल शासन-प्रशासन तक है। पाकिस्तान में विज्ञान, टेक्नोलॉजी और आधुनिक सोच का आज भी अभाव बना हुआ है। पाकिस्तान की अवाम, घरेलू आतंकवाद, गरीबी, भुखमरी और बेरोजगारी से जूझ रही है। पाकिस्तान के लोगों की आपराधिक हरकतों के कारण सऊदी अरब और यूएई जैसे इस्लामिक देश वीजा पर प्रतिबंध लगा चुके हैं। कट्टरता का प्रचार-प्रसार कर रहे जाकिर नाइक ने इन तमाम मुद्दों पर एक लाइन की प्रतिक्रिया तक व्यक्त नहीं की। उसके धार्मिक भाषण लोगों के जले पर नमक छिड़कने का काम कर रहे हैं। लाचार और पिछड़ेपन की शिकार पाकिस्तान की जनता जाकिर जैसे ढोंगी लोगों का जब तक बहिष्कार नहीं करेगी तब तक पाकिस्तान हालात सुधर नहीं सकते।

क्या कनाडा 'खालिस्तान' है?

क्या कनाडा खालिस्तानी देश बन गया है? खालिस्तान समर्थक गुंडों और अतिवादियों ने जिस तरह दो हिंदू मंदिरों में घुस कर उत्पात मचाया। हिंसा में महिलाओं और बच्चों तक को नहीं छोड़ा। हिंसा के ऐसे सिलसिले जारी रहें, कनाडा के हिंदू मंदिरों पर हमले बढ़ते रहें, प्रधानमंत्री ट्रूडो खालिस्तानी अतिवादियों के खिलाफ एक भी शब्द न बोलें, कार्रवाई करना तो दूर की कौड़ी है, तो उस देश को क्या मानेंगे? जब 2021 में ट्रूडो तीसरी बार प्रधानमंत्री बने, लेकिन स्पष्ट बहुमत नहीं मिल सका, तो उन्हें खालिस्तान समर्थकों के सहारे ही सरकार बनानी पड़ी। कनाडा में खालिस्तानी निरंकुश होते गए और सरकार में उनका दखल बढ़ता रहा। खालिस्तानी गुंडों ने गौरीशंकर, जगन्नाथ, विष्णु, लक्ष्मीनारायण और रामधाम आदि मंदिरों पर हमले किए। दैवीय समेत महात्मा गांधी की प्रतिमाओं को तोड़ा, गोलीबारी की और हिंदुत्व को अपमानित किया। कनाडा में करीब 9.5 लाख हिंदू रहते हैं। अधिकतर कनाडा के ही नागरिक हैं। जाहिर है कि वे अल्पसंख्यक भी हैं। आश्चर्य है कि कनाडा समेत अमरीका, जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया सरीखे बड़े देश इन हमलों के मद्देनजर न तो हिंदुओं के मानवाधिकार और अभिव्यक्ति की आजादी की बात करते हैं और न ही खालिस्तानी अतिवाद की भर्त्सना करते हुए कनाडा का विरोध करते हैं। इन सभी देशों के साथ भारत के 'रणनीतिक साझेदार' के संबंध हैं और रहे हैं। यदि ऐसी ही हिंसा भारत में हो जाए, तो सभी पश्चिमी देश मुसलमानों और ईसाइयों के सामाजिक मानवाधिकारों का प्रलाप करने लगेंगे। भारत को नसीहत देने लगेंगे और कुछ चेताएंगे भी। सवाल यह है कि कनाडा में खालिस्तान के हमलावर समर्थकों को हिंदुओं से ऐसी नफरत क्यों है कि वे मंदिरों पर लगातार हमले कर रहे हैं और श्रद्धालुओं के साथ मारपीट भी करते हैं? ऐसी कोई परंपरागत दुश्मनी भी नहीं है। दोनों समुदाय मूलत: भारतीय हैं। सिखों की मानसिकता तो धर्मनिरपेक्ष है और अधिकतर सिख 'खालिस्तान' के पक्षधर और समर्थक भी नहीं हैं। बीते रविवार को जो हंगामा हुआ, हिंसा की गई, उसमें भारत के राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगे' का भी कुचल-कुचल कर अपमान किया गया। खालिस्तान न तो कोई देश है, न ही उसका कोई संविधान है और न ही उसका कोई अधिकृत झंडा है, लेकिन कनाडा की पुलिस खालिस्तान के कथित झंडे की ऐसी सुरक्षा कर रही थी मानो वह मान्यता प्राप्त देश का राष्ट्रीय ध्वज हो! उस झंडे के लिए हिंदुओं को हडक़ाया जा रहा था कि उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। बहरहाल 'वैश्विक मानव स्वतंत्रता सूचकांक' में कनाडा का स्थान 13वां है। धार्मिक आजादी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को वहां बड़ा महत्व दिया जाता रहा है। फिर ये हिंदू पूजास्थलों पर हमले और हिंसा क्यों किए जा रहे हैं? दरअसल भारत-कनाडा के राजनयिक रिश्ते इतने बिगड़ चुके हैं कि दोनों देशों ने, अन्य देश के, राजनयिकों को देश से निकाल दिया। दोनों ने अपने-अपने उच्चायुक्तों को भी वापस बुला लिया। भारत ने उनकी सुरक्षा के संदर्भ में ट्रूडो सरकार पर भरोसा नहीं किया। कनाडा ने भारत को उस श्रेणी के देशों में डाल दिया है, जिसमें ईरान और उत्तरी कोरिया जैसे देश हैं। क्या खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से ही दोनों देशों के संबंध इतने बिगड़े हैं? कनाडा आज तक एक भी सबूत नहीं दे पाया है कि निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंसियों का हाथ था। बल्कि अमरीका ने भी बार-बार भारत से आग्रह किया है कि वह कनाडा की जांच में सहयोग करे, लेकिन खालिस्तानी अतिवादियों की हिंसा के संदर्भ में अमरीका कनाडा को कोई परामर्श नहीं देता कि मानवीय हिंसा नहीं होनी चाहिए। अमरीका में कथित खालिस्तानी आतंकवादी पन्नू खुलेआम सक्रिय है। अमरीका उसे वकील और बौद्धिक-सामाजिक शख्सियत करार देता रहा है। 'आतंकवादी' को लेकर अमरीका समेत पश्चिमी देशों और भारत की परिभाषाएं भिन्न हैं। बहरहाल इन घटनाओं पर भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है- 'हिंदू मंदिरों पर जानबूझ कर किए गए हमलों की मैं कड़ी निंदा करता हूं। हमारे राजनयिकों को धमकाने की कायरतापूर्ण कोशिशें भी भयावह हैं।

राहुल मनुस्मृति के बारे गांधी के विचारों को नहीं पढ़ा

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पिछले दिनों झारखंड की राजधानी रांची में संविधान के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम में देश में कथित तौर पर चल रहे वैचारिक संघर्ष को प्रतीकित करने वाली दो बातें कहीं। पहली, मनुस्मृति संविधान विरोधी है'। यह एकदम बेतुकी बात है क्योंकि दो विचारों को एक दूसरे का विरोधी तभी कहा जा सकता है, जब वे समकालीन हों और एक साथ चलन में हों।

दूसरी, मनुस्मृति और संविधान के बीच दशकों से संघर्ष चल रहा है'। सवाल है कि क्या सचमुच इस तरह का कोई वैचारिक संघर्ष धरातल पर चल रहा है? इससे भी बड़ा सवाल यह है कि जब देश 75 साल से संविधान के आधार पर चल रहा है, जिसमें से 55 साल के करीब कांग्रेस सत्ता में रही है और उसमें भी 38 साल राहुल गांधी के परनाना, दादी और पिता ही प्रधानमंत्री रहे तो अब मनस्मृति से देश चलने की बात कहां से आ गई? इस सदी में 10 साल कांग्रेस का शासन था और तब राहुल गांधी भी सांसद थे क्या तब भी मनुस्मृति और संविधान में संघर्ष चल रहा था? अगर चल रहा था तो राहुल गांधी या कांग्रेस के किसी भी नेता ने 10 साल में एक बार भी इसका जिक्र क्यों नहीं किया और अब अचानक राहुल गांधी इसे लेकर क्यों इतने मुखर हो गए हैं? जाहिर है राहुल गांधी को न तो मनुस्मृति से कोई मतलब है और न संविधान से। उनको सत्ता की राजनीति से मतलब है। होना भी चाहिए क्योंकि वे कोई संत, महात्मा या दार्शनिक तो हैं नहीं। वे नेता हैं और नेता की ही तरह काम करते हैं।

लेकिन सत्ता हासिल करने की बेचैनी में वे जो बातें कह रहे हैं उनसे देश और समाज का कोई भला नहीं हो रहा है। संविधान और कानून के शासन वाले देश में वे जबरदस्ती मनुस्मृति की बात करके सामाजिक विभाजन बढ़ाने का खतरनाक प्रयास कर रहे हैं। वास्तविकता यह है कि इस देश में मनुस्मृति कोई नहीं पढ़ता है। खुद राहुल गांधी ने भी उसका एक भी पन्ना नहीं पढ़ा होगा। उनको पता भी नहीं होगा कि मनुस्मृति के कितने संस्करण मौजूद हैं और उनमें से कोई भी असली नहीं है।

वे शायद यह भी नहीं जानते होंगे कि सोशल मीडिया में मनुस्मृति के नाम से जितनी बातें वायरल होती हैं उनमें से ज्यादातर बातें उस ग्रंथ में नहीं लिखी हैं। मनुस्मृति के की जो बातें सोशल मीडिया में प्रचारित होती हैं उनका असली मकसद सामाजिक विद्वेष बढ़ाना और राजनीतिक लाभ लेना होता है। वह देश में एक नया नैरेटिव सेट करने का टूलकिट है, जिसके पीछे बड़ा खेल हो सकता है। जरूरी नहीं है कि जिस हैंडल या अकाउंट से इसे प्रचारित किया जाता है उसके पीछे कोई पिछड़ा, दलित या कोई प्रगतिशील चेहरा हो। लेकिन वह अलग बहस और चिंता का विषय है।

अभी इस सवाल पर विचार करने की जरुरत है कि क्या सचमुच इस देश में मनुस्मृति और संविधान को लेकर कोई संघर्ष चल रहा है? धरातल पर तो ऐसा कोई संघर्ष देखने को नहीं मिलता है। इसकी पड़ताल करने के लिए कहीं भी 10 लोगों से मनुस्मृति के बारे में पूछा जा सकता है। ज्यादातर लोगों ने इस ग्रंथ का नाम नहीं सुना होगा और सुना भी होगा तो उसके बारे में कोई जानकारी नहीं होगी। हां, यह जरूर है कि भारत में समाज के संचालन के जो नियम बने उनका एक बड़ा हिस्सा मनुस्मृति की बातों पर आधारित है।

लेकिन यह काम 10 या 20 साल पहले या सौ दो सौ साल पहले नहीं हुआ है, बल्कि हजारों साल पहले हुआ और समय के साथ उसमें बदलाव आता गया। यह भी सही है कि अंग्रेजों ने बांटो और राज करो' की अपनी नीति के तहत इसे आधार बना कर कुछ कानून बनाए। लेकिन आजादी मिलने और संविधान लागू होने के बाद तो सारी चीजें बदल गईं। अब निजी, पारिवारिक या धार्मिक कार्यक्रमों में वेद या मनुस्मृति की कुछ बातों का पालन होता हो तो अलग बात है लेकिन सार्वजनिक जीवन में या सरकार के कामकाज में मनुस्मृति की किसी भी बात का प्रयोग नहीं होता है। मनुस्मृति का सिर्फ इतना ही मतलब है कि इस ग्रंथ ने प्राचीन भारत के हमारे पूर्वजों को एक रास्ता दिखाया था। यह बताया था कि समाज के संचालन के लिए एक संहिता की जरुरत होती है। यह ठीक उसी तरह था, जैसे मध्य पूर्व में हम्मूराबी की संहिता बनी थी। यह वो समय था, जब समाज को संचालित या नियंत्रित करने के लिए कोई नियम या कानून नहीं थे। उस समय जो सामाजिक व्यवस्था मौजूद थी उसे देखते हुए एक संहिता बनाई गई थी, जिसे लेकर यह विवाद है कि इसे स्वंयभू मनु ने बनाई या भृगु ऋषि ने बनाई, इसे एक व्यक्ति ने लिखा या कई व्यक्तियों ने लिखा और एक बार लिखे जाने के बाद सदियों तक इसमें कुछ चीजें जोड़ी जाती रहीं।

लेकिन जिसने भी बनाई उसने अपने समय की वास्तविकताओं और जरुरतों के हिसाब से इसे बनाया, जिसका मकसद समाज में व्यवस्था बहाल करना था। एक बार संहिता बन जाने के बाद आगे आने वाली पीढियों की जिम्मेदारी थी कि वे समय की जरुरतों के हिसाब से इसमें सुधार करें या इसे पूरी तरह से खारिज करके नई संहिता बनाएं। भारत में भी तमाम सुधार और बदलाव हुए। इसके बावजूद अगर कुछ चीजें समाज में ऐसी मौजूद हैं, जिनके बीज मनुस्मृति में थे तो वह ग्रंथ लिखने वाले की नहीं, बल्कि समाज की कमी है।

सोचें, महज 75 साल पहले बने संविधान में एक सौ से ज्यादा बदलाव हो चुके हैं। बदलते हुए समय की जरुरतों के हिसाब से संविधान को बदला जाता है। लेकिन जब भी संविधान का कोई प्रावधान बदला जाता है तो क्या संविधान बनाने वालों को गालियां दी जाती हैं? उनकी लिखी कोई बात अगर समय की कसौटी पर सही नहीं उतरी तब भी वे सम्मानीय हैं क्योंकि उन्होंने अपने समय की जरुरत के हिसाब से उसे लिखा था।

इसी तर्क से मनुस्मृति लिखने वाले या लिखने वालों को सम्मान क्यों नहीं दिया जाना चाहिए? उन्होंने यह रास्ता दिखाया कि समाज को संचालित और नियंत्रित करने के लिए एक संहिता की जरुरत है, क्या इसके लिए वे सम्मान के पात्र नहीं हैं? इस ग्रंथ में कई बातें मानवाधिकार, स्त्री अधिकार, बाल अधिकार आदि की अवधारणा के अनुकूल नहीं हैं या विरोधाभासी हैं। लेकिन ये अवधारणाएं तो एक सदी पुरानी भी नहीं हैं। इनकी कसौटी बना कर करीब दो सहस्त्राब्दी पहले लिखे गए ग्रंथ का आकलन कैसे किया जा सकता है?

हम्मूराबी की संहिता में भी सैकड़ों ऐसी चीजें हैं, जो आधुनिक अवधारणों की कसौटी पर बहुत खराब हैं। लेकिन इस आधार पर तो हम्मूराबी संहिता लिखने वाले को गाली नहीं दी जाती है। फिर मनुस्मृति लिखने वाले या लिखने वालों को गाली देने का क्या मतलब है? इनके लेखकों ने दुनिया को रास्ता दिखाया है। इन दोनों ग्रंथों का मानव सभ्यता के इतिहास में वही स्थान है, जो आग और पहिए के आविष्कार का है। सोचें, हमारे पूर्वजों ने कैसे पत्थरों को आड़ा तिरछा काट कर पहला पहिया बनाया था और आज हम मिशेलिन टायर्स बना रहे हैं तो क्या हम अपने पूर्वजों को गाली देते हैं कि उन्होंने कैसा पहिया बनाया था?

आज आग जलाने के दर्जनों फैंसी तरीके उपलब्ध हैं लेकिन क्या हम पत्थरों को रगड़ कर आग पैदा करने वाले अपने पूर्वजों को गाली देते हैं? आज आंख के निर्देश पर चलने वाले फोन बन गए तो क्या हम अलेक्जेंडर ग्राहम बेल को गाली दें कि उन्होंने कैसा फोन बनाया था!

आतंकवाद वर्तमान विश्व की एक बड़ी समस्या

बलबीर पुंज

एक हालिया पॉडकास्ट में बात करते हुए शिंदे ने कहा, उस समय रिकॉर्ड पर जो आया था, उन्होंने वही कहा था। यह उनकी पार्टी (कांग्रेस) ने उन्हें बताया था कि भगवा आतंकवाद हो रहा। उस समय पूछा गया था तो बोल दिया था भगवा आतंकवादज् यह गलत था। इसी पॉडकास्ट में शिंदे, दिसंबर 2001 के संसद आतंकवादी हमले के दोषी और फांसी पर लटकाए जा चुके जिहादी अफजल गुरु को आतंकी कहने से बचते भी नजर आए।

मिथक हिंदू/भगवा आतंकवाद' सिद्धांत कितनी बड़ी साजिश थी, उसका फिर खुलासा पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे के एक दावे से हो जाता है। एक हालिया पॉडकास्ट में बात करते हुए शिंदे ने कहा, उस समय रिकॉर्ड पर जो आया था, उन्होंने वही कहा था। यह उनकी पार्टी (कांग्रेस) ने उन्हें बताया था कि भगवा आतंकवाद हो रहा। उस समय पूछा गया था तो बोल दिया था भगवा आतंकवादज् यह गलत था। इसी पॉडकास्ट में शिंदे, दिसंबर 2001 के संसद आतंकवादी हमले के दोषी और फांसी पर लटकाए जा चुके जिहादी अफजल गुरु को आतंकी कहने से बचते भी नजर आए।

यह किसी से छिपा नहीं है कि कांग्रेस में पार्टी का अर्थ गांधी परिवार (सोनिया-राहुल-प्रियंका) है। यह चिंतन उस मानसिकता की उपज है, जिसमें इस्लामी आतंकवाद को प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से जायज ठहराने के लिए हिंदू आतंकवाद' रूपी छलावा खड़ा किया गया था। इस साजिश में वामपंथियों और कट्टरपंथी मुस्लिमों के साथ कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व भी शामिल था।

शिंदे के हालिया कबूलनामे से वह कड़वा सच भी एकाएक ध्यान में आता है कि ज्ञान-विज्ञान और पराक्रम जैसे गुणों से सुशोभित होते हुए भी भारत मध्यकाल में लगभग 600 वर्षों तक मुस्लिम और फिर 200 सालों तक अंग्रेजों के अधीन क्यों हो गया था। इतिहास साक्षी है कि यदि व्यक्तिगत खुन्नस के कारण जयचंद, पृथ्वीराज चौहान को धोखा नहीं देता, तो विदेशी आक्रांता मुहम्मद गौरी नहीं जीतता। इसी तरह यदि शाह वलीउल्लाह मराठाओं के खिलाफ अफगान अब्दाली को भारत नहीं बुलाता और प्लासी की लड़ाई में मीर जाफर यदि सिराजुद्दौला को न छलता, तो भारत में अंग्रेजी साम्राज्य संभवत: स्थापित ही नहीं होता। कांग्रेस नीत यूपीए (वर्तमान आईएनडीआईए) कार्यकाल में उसी काले इतिहास को दोहराया गया था। व्यक्तिगत, राजनीतिक और वैचारिक विरोध के चलते हिंदू/भगवा आतंकवाद' शब्दावली की रचना कर दुनिया में भारत, हिंदू समाज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भाजपा और अन्य संगठनों को कलंकित करने का जाल बुना गया। इसकी जड़े 1993 के मुंबई श्रृंखलाबद्ध (12) बम धमाके में मिलती है, जिसमें 257 निरपराध मारे गए थे। तब महाराष्ट्र के तत्कालीन कांग्रेसी मुख्यमंत्री शरद पवार ने आतंकियों की मजहबी पहचान और उद्देश्य से ध्यान भटकाने हेतु झूठ गढ़ दिया कि 13वां' धमाका मस्जिद के पास हुआ था। यह प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से हिंदुओं को आतंकवाद से जोडऩे का प्रयास था। इसी चिंतन को यूपीए-काल (2004-14) में राहुल गांधी के साथ पी चिदंबरम और सुशील कुमार शिंदे ने बतौर केंद्रीय गृहमंत्री आगे बढ़ाया था। हद तो तब हो गई, जब कांग्रेसी नेता दिग्विजय सिंह ने वर्ष 2008 के भीषण मुंबई 26/11 आतंकवादी हमले के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का हाथ बता दिया। यहां तक, दिग्विजय ने इसी हमले में जिहादियों की गोलियों के शिकार हुए मुंबई आतंक निरोधक दस्ते के तत्कालीन प्रमुख हेमंत करकरे की मौत को हिंदूवादी संगठनों से जोडऩे का प्रयास किया था। इस संबंध में तब पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा हाथों में पवित्र कलावा/मौली को आधार बनाकर कई समाचारपत्रों में आलेख तक प्रकाशित हुए थे। सोचिए, यदि आतंकी कसाब और डेविड हेडली (दाऊद सैयद गिलानी) के जीवित नहीं पकड़े जाते, तो क्या होता?

सेहत और ब्यूटी के लिए बेहद फायदेमंद है ये नीली चाय

ग्रीन टी और ब्लैक टी के बारे में तो आप जानते ही हैं, और इनका सेवन भी करते ही होंगे, लेकिन क्या कभी ब्लू टी यानि नीली चाय पी है आपने? अगर नहीं पी है तो एक बार जरूर ट्राय कीजिए, क्योंकि सेहत और ब्यूटी के लिए बेहद फायदेमंद है ये नीली चाय

अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर ये चाय नीली कैसे होती है, तो हम आपको बता दें कि ये चाय अपराजिता के खुबसूरत नीले फूलों को उबालकर बनाई जाती है, इसलिए इसका रंग नीला होता है। इसे बटरफ्लाई टी भी कहा जाता है। जानिए इसे बनाने की विधि और 5 गजब के फायदे –

विधि – इस चाय को बनाने के लिए आपको चाहिए, अपराजिता के नीले फूल, पानी और स्वाद अनुसार नमक, शकर या नींबू। सबसे पहले पानी उबाल लें और उसमें अपराजिता के फूल डालें। जब इसका रंग नीला हो जाए, तो इसमें नमक या शकर डालें और कुछ बूंद नींबू की डालकर छान लें। अब यह पीने के लिए तैयार है। अब जानिए इसके फायदे –

डिटॉक्स टी

आपके शरीर से अवांछित तत्वों को बाहर निकालकर ये चाय बॉडी को डिटॉक्स करती है और शरीर की आंतरिक सफाई करती है।

इम्युनिटी बूस्टर

यह एक बेहतरीन इम्यूनिटी बूस्टर की तरह काम करती है और इम्यूनिटी को बढ़ाकर बीमारियों से आपकी रक्षा करती है।

डायबिटीज

यह नीली चाय डायबिटीज के रोगियों के लिए बेहद फायदेमंद है। यह शुगर के लेवर को मेंटेन करने में काफी मददगार होती है।

ब्यूटी बेनिफिट्स

खूबसूरती को और निखारना चाहते हैं तो नीली चाय एक बढ़िया विकल्प है। यह चेहरे के दाग, धब्बे और झाइयों को मिटाकर रंगत निखारने में सहायक है।

माइग्रेन

माइग्रेन के मरीजों के लिए सुबह इस चाय का सेवन फायदेमंद साबित हो सकता है। यह दर्द के अलावा दिमागी थकान को भी दूर करती है।

शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी है हीमोग्लोबिन

शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी है, इसकी कमी शरीर को तोड़कर रख सकती है, इसकी कमी पूरी करने के लिए आपको आयरन वाली चीजें खानी चाहिए।

अगर आपको हमेशा थकान, कमजोरी या सिरदर्द जैसी समस्या रहती है, तो इसका मतलब है कि आपके खून में हीमोग्लोबिन की कमी हो गई है। हीमोग्लोबिन क्या है? यह एक प्रोटीन है जो रेड ब्लड सेल्स में पाया जाता है। ब्लड सेल्स का काम शरीर के चारों ओर ऑक्सीजन ले जाने का काम करती हैं।

हीमोग्लोबिन कम होने से क्या होता है? हीमोग्लोबिन का लेवल कम होने से शरीर का कामकाज बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। इसका लेवल कम होना संकेत है कि आप खून की कमी से जूझ रहे हैं या लिवर या किडनी की किसी बीमारी से पीड़ित हैं। हीमोग्लोबिन की कमी से होने से आपको थकान–कमजोरी, पीलिया या लगतार सिरदर्द होना जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं।

हीमोग्लोबिन कैसे बढ़ाएं?

हीमोग्लोबिन का लेवल बढ़ाने के लिए आपको आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए। आयरन हीमोग्लोबिन के उत्पादन बढ़ाने के अलावा रेड ब्लड सेल्स को बनाने में भी मदद करता है। हीमोग्लोबिन की नॉर्मल रेंज पुरुषों के लिए 13.2 से 16.6 ग्राम प्रति डेसीलीटर है जबकि महिलाओं के लिए 11.6 से 15 ग्राम प्रति डेसीलीटर है।

हीमोग्लोबिन कम होने के कारण और लक्षण

हीमोग्लोबिन कम होने के कई कारण हो सकते हैं जिनमें मुख्यत: खाने में आयरन और विटामिन बी–12 की कमी, खून का कैंसर, किडनी या लिवर की बीमारी, थाइरोइड, थैलासीमिया और फेफड़ों से जुड़ी कोई बीमारी आदि शामिल हैं। ऐसा होने पर आपको नीचे बताए लक्षण महसूस हो सकते हैं–

- दिल की धड़कन बढ़ना
- त्वचा का पीला होना और मसूड़ों में खून आना
- हमेशा थकान और कमजोरी महसूस होना
- मांसपेशियों में कमजोरी
- हमेशा थकान के साथ सिरदर्द रहना
- सांस में कमी

विटामिन–सी से भरपूर खाद्य पदार्थ

एक अध्ययन के अनुसार शरीर आयरन को पूरी तरह से अवशोषित नहीं कर पाता है यही वजह है कि इसे अवशोषित करने के लिए आपको विटामिन सी की जरूरत होती है। आपको अपने खाने में संतरे, नींबू, शिमला मिर्च, टमाटर, अंगूर, जामुन आदि विटामिन–सी से भरपूर चीजों को शामिल करना चाहिए।

चुकंदर

चुकंदर आयरन, मैग्नीशियम, कॉपर, फॉस्फोरस और विटामिन बी1, बी2, बी6, बी12 और सी से भरपूर होता है। यह चमत्कारिक सब्जी हीमोग्लोबिन काउंट बढ़ाने और रेड ब्लड सेल्स को बनाने का काम करती है। इसका आप सब्जी, सलाद या जूस के रूप में सेवन कर सकते हैं।

सहजन

एक स्टडी के मुताबिक सहजन की पत्तियां जिंक, आयरन, कॉपर, मैग्नीशियम, विटामिन ए, बी और सी जैसे मिनरल्स से भरी होती हैं। यह सभी तत्व आयरन, हीमोग्लोबिन और रेड ब्लड सेल्स के लिए जरूरी हैं। ऐसा माना जाता है कि इन पत्तियों को गुड़ के साथ लेने से आपको ज्यादा फायदा मिल सकता है। इसके अलावा आप डॉक्टर की सलाह पर इसका रस पी सकते हैं या इसकी फली की सब्जी बना सकते हैं।

हरे पत्ते वाली सब्जियां

हरी सब्जियां जैसे पालक, सरसों का साग, अजवाइन और ब्रोकली आयरन का बढ़िया स्रोत हैं। पालक को पकाकर खाने की सलाह दी जाती है क्योंकि कच्ची पत्तियों में ऑक्सालिक एसिड होता है जो शरीर में आयरन के अवशोषण को रोक सकता है। इनमें मौजूद विटामिन बी 12, फोलिक एसिड और अन्य पोषक हीमोग्लोबिन बढ़ाने का काम करते हैं।

खजूर और कद्दू के बीज

खजूर आयरन का बढ़िया स्रोत है, जो खून में हीमोग्लोबिन लेवल बढ़ाता है। हालांकि डायबिटीज के रोगियों को ज्यादा खजूर खाने से बचना चाहिए। इधर कद्दू के बीज भी कैल्शियम, मैग्नीशियम, मैंगनीज और आयरन का बेहतर स्रोत हैं।

ब्रोकोली

गोभी परिवार की यह सब्जी आयरन और बी–कॉम्प्लेक्स विटामिन फोलिक एसिड का बढ़िया स्रोत है और इसमें मैग्नीशियम, विटामिन ए और सी जैसे अन्य जरूरी पोषक तत्व भी पाए जाते हैं।

आयरन और हीमोग्लोबिन काउंट बढ़ाने के लिए आप इसे उबालकर या सलाद के रूप में या सब्जी बनाकर खा सकते हैं।

अनार

अनार प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और फाइबर के साथ–साथ कैल्शियम और आयरन दोनों का एक शानदार स्रोत है।

हीमोग्लोबिन बढ़ाने के अलावा इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व सेहत को दुरुस्त बनाए रखते हैं। आयरन और हीमोग्लोबिन लेवल बढ़ाने लिए रोजाना अनार का जूस पिएं।

खर्राटों की समस्या से निजात दिला सकता है ये उपकरण

अगर आपको भी खर्राटे लेने की समस्या है तो आपके लिए एक खुशखबरी है। माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने चुंबक की मदद से एक ऐसा उपकरण बनाया है जो खर्राटों की समस्या से निजात दिला सकता है। दो चंबुकों के खींचने की क्षमता की मदद से हवा की नली को रात में सोने के दौरान खुला रखकर खर्राटों की समस्या को ठीक किया जा सकता है।

इस समस्या से दुनियाभर में लाखों लोग जूझ रहे हैं। इस बीमारी के कारण रात को सोते वक्त हवा की नली संकरी हो जाती है और सांस लेने में अवरोध पैदा होता है। इसके लक्षणों में खर्राटे लेना और मुंह से अजीब आवाजें निकालना भी शामिल है। यह बीमारी 40 साल की उम्र से ऊपर के पुरुषों में ज्यादा होती है। मोटापा, शराब की लत और धूम्रपान इसके जोखिम कारक हैं। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। मैग्नेटिक एपनोइया प्रीवेंशन (मैगनैप) उपकरण में उस तरह के चुंबक का इस्तेमाल होता है जो कंप्यूटर हार्ड ड्राइव और साइकिल के डायनेमो में पाए जाते हैं। यह उपकरण सांस की नली को खुला रखने में मदद करता है। चुंबक में एक क्षरण–प्रूफ टाइटेनियम कोटिंग है और यह दावा किया जाता है कि इन्हें एक बार प्रतिरोपित करने के बाद सालों तक सुरक्षित रूप से शरीर में छोड़ा जा सकता है। इस उपकरण का आकार पचास पैसे के सिक्के के जितना है और इसे सर्जरी के द्वारा गले के हायोड बोन में फिट किया जा सकता है। यह हड्डी जीभ के ठीक नीचे गले में होती है। इस चुंबक को फिट करने की सर्जरी को करने में एक घंटे का समय लगेगा। सर्जरी के चार हफ्ते के बाद एक और चुंबक गले में लगाया जाएगा। यह दूसरा चुंबक पहले से गले में लगाए गए चुंबक को आकर्षित करेगा जिससे एक हल्का खिंचाव तैयार होगा और हवा की नली खुल जाएगी। मरीज के गले और हवा की नली के आकार के अनुसार विभिन्न आकार के चुंबकों का प्रयोग किया जा सकेगा। अब तक माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में छह लोगों के गले में इस उपकरण को प्रतिरोपित किया गया है। उनकी निगरानी की जा रही है ताकि इस उपकरण की उपयोगिता का पता लगाया जा सके।

मैथीदाने का प्रयोग आप खाने के स्वाद को बढ़ाने में करते हैं, लेकिन इसके सेहत और सौंदर्य लाभ आपको हैरत में डाल देंगे। आइए जानते हैं इनके अनमोल गुण।

दिल की बीमारियों को भी दूर रखने में मदद करता है मैथीदाने का नियमित सेवन

- मैथीदाने का चूर्ण प्रतिदिन खाने से आपका वजन नियंत्रित रहता है और वसा की मात्रा धीरे–धीरे कम हो जाती है। इस तरह से आप अपना वजन भी कम कर सकते हैं।
- मैथीदाने का नियमित सेवन दिल की बीमारियों को भी दूर रखने में भी मदद करता है। यह दिल का दौरा पड़ने की आशंका को बेहद कम कर देता है और आप अपने हृदय को रख सकते हैं बिलकुल स्वस्थ।
- मधुमेह के मरीजों के लिए मैथीदाना बहुत फायदेमंद होता है। इसको रोज रात में भिगोकर रखने के बाद रोज सुबह चबाकर खाने से और इसके पानी के सेवन से लाभ मिलता है।
- बालों की खूबसूरती के लिए भी मैथीदाना फायदेमंद है। इसका पेस्ट बनाकर बालों में लगाने से बालों से रूखापन गायब होता है, साथ ही बाल मजबूत बनते हैं।
- चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने में भी यह मैथीदाना कुछ कम गुणवान नहीं है। इसे पीसकर चेहरे पर लगाने से त्वचा में चमक के साथ कसाव आता है। इसके अलावा रूखी त्वचा वालों के लिए यह बहुत लाभप्रद है, क्योंकि यह त्वचा को नमी प्रदान करता है।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से हो सकते हैं मानसिक दिव्यांगता का शिकार

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से ऑटिज्म जैसी मानसिक दिव्यांगता विकसित हो सकती है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय समेत तीन संस्थानों के अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। ऑटिज्म के मरीज न तो अपनी बात ठीक से कह पाता है ना ही दूसरों की बात समझ पाता है और न उनसे संवाद स्थापित कर सकता है। यदि इन लक्षणों को समय रहते भांप लिया जाए, तो काबू पाया जा सकता है। प्रतिष्ठित नेचर पत्रिका में प्रकाशित इस रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चे के धीमे मानसिक व शारीरिक विकास से जुड़ी इस बीमारी के लक्षण बचपन में ही दिखने लगते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय, मैसाचुएट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने कोलेस्ट्रॉल और ऑटिज्म के संबंध के बारे में जानने के लिए वैज्ञानिक अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑटिज्म के सबटाइप वाली एक बीमारी उन्हीं अनुवांशिक तत्वों से होती है जो शरीर में कोलेस्ट्रोल मेटाबोलिज्म और मस्तिष्क विकास को नियंत्रित करते हैं। वैज्ञानिकों ने मस्तिष्क के नमूनों के डीएनए अध्ययन से पाया कि लिपिड डायफंक्शन और ऑटिज्म के बीच साझा आणुविक जड़ें होती हैं। फिर वैज्ञानिकों ने ऑटिज्म पीड़ित लोगों के मेडिकल रिकॉर्ड का अध्ययन करके इस बात की पुष्टि की। लिपिड जीवित कोशिकाओं में एक महत्वपूर्ण अवयव होता है जो एल्कोहल में घुलनशील है। अध्ययनकर्ता इसहाक कोहेन का कहना है कि शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि यह बहुत जटिल बीमारी है और इसके विभिन्न प्रकार अलग–अलग कारणों से उत्पन्न होते हैं।

संक्षिप्त समाचार

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा धरना प्रदर्शन

सारंगढ़ (समय दर्शन) नगर के तहसील कार्यालय के सामने जिले के आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका संघ मंच छग के प्रान्तीय आह्वान पर 8 सूत्रीय मांगो को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कियें। जिसमें सहायिका, कार्यकर्ताओ को नियमित करो,नियमितिकरण तक जीने लायक वेतन दो, सहायिकाओ को 85त्न का लाभ दो , सेवा निवृत्ति पर सहायिका कार्यकर्ता को मासिक पेशन और एक मुस्त राशि दो, मानदेय को महंगाई भत्ता से जोड़ो, इसका लाभ दो शासकीय कर्मचारीयो की तरह समूह बीमा योजना लागू करो, सहायिका कार्यकर्ता के आकस्मिक मृत्यु पर परिवार के एक सदस्य को अनुकम्पा नियुक्ति दो, कार्यकर्ता के रिक्त सभी पद पर सहायिका और सुपर वाईजर के रिक्त सभी पद पर कार्यकर्ता को बिना उम्र बंधन परीक्षा के शत प्रतिशत, पदोन्नति दो, सभी केन्द्र में गैस सिलेण्डर और रिफिलिंग व्यवस्था करो, मांग को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया ।

जिला बार कौंसिल कोर्ट में वकीलों का किया गया आयुष्मान कार्ड पंजीयन

मुंगेली (समय दर्शन)। कलेक्टर राहुल देव के निर्देशानुसार जिले में घर-घर जाकर आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। इसी तारतम्य में जिला एवं सत्र न्यायालय मुंगेली के बार कौंसिल कोर्ट में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड पंजीयन हेतु शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान जिला स्वास्थ्य मितान द्वारा 25 वकीलों एवं उनके परिजनों का आयुष्मान कार्ड पंजीयन किया गया। शिविर को सफल बनाये जाने हेतु बार कौंसिल के अध्यक्ष श्री राजमन सिंह एवं अधिकारी-कर्मचारियों का विशेष योगदान था।

बता दें कि आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत जिले में कुल लक्षित परिवारों की संख्या 08 लाख 11 हजार 641 के विरूद्ध 07 लाख 09 हजार 273 सदस्यों का आयुष्मान पंजीयन किया जा चुका है, शेष छुटे हुये सदस्यों का आरएचओ, सीएचओ, डाटा एन्ट्री ऑपरेटर द्वारा घर-घर जाकर आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। कलेक्टर ने आमजनों से अपील की है कि आयुष्मान कार्ड बनवा कर हमेशा अपने पास रखें एवं ईलाज की आवश्यकता होने पर आसानी से पंजीकृत चिकित्सालयों में नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा प्राप्त करें। योजना संबंधी अधिक जानकारी या शिकायत के लिए मितानीन, ए.एन.एम., स्थानीय पुरूष स्वास्थ्य कार्यकर्ता, खण्ड चिकित्सा अधिकारी और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के कार्यालय या टोल फ्री टेलीफोन नम्बर 14555/104 से संपर्क किया जा सकता है।

अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन 11 नवंबर को

महासमुन्द (समय दर्शन) शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान महासमुन्द में 11 नवंबर 2024 को सुबह 9 बजे से अप्रेन्टिसशीप मेले का आयोजन किया जाएगा। इस मेले का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर रोजगार को बढ़ावा देना है और आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं को विभिन्न उद्योगों में रोजगार के अवसर प्रदान करना है। प्राचार्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था ने बताया कि मेले में जिले के समस्त उद्योग और प्रतिष्ठान अप्रेन्टिसशीप एवं प्लेसमेंट के लिए भाग लेंगे। उद्योग/प्रतिष्ठानों का पंजीयन www.apprenticeship.gov.in पोर्टल पर किया जा सकता है, जिससे अधिक से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार के अवसर मिल सकें। अप्रेंटिसशिप के लिए इच्छुक आईटीआई उत्तीर्ण युवा अपने सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ सुबह 10 बजे से संस्थान में उपस्थित हो सकते हैं। इस अवसर पर मेले में स्पॉट पंजीयन की सुविधा भी उपलब्ध होगी, जिससे प्रशिक्षार्थी और उद्योग आसानी से पंजीयन कर सकते हैं।

ओलावृष्टि से हुई फसल क्षति की मुआवजा राशि देने की मांग

मुआवजा राशि वितरण हेतु बसना तहसील को मिला एक करोड़ का आबंटन

शंकर लहरे / सरायपाली (समय दर्शन)। पिछले रबी सीजन में हुई ओलावृष्टि से रोहिना, कापुडीह, दुर्गापाली क्षेत्र के सैकड़ों एकड़ रबी फसल को काफी नुकसान पहुंचा था। जिसकी मुआवजा राशि अब तक नहीं मिल पाई है । ग्राम रोहिना के किसानों ने दिनांक 6 नवंबर को कलेक्टर महासमुन्द से मुआवजा राशि तत्काल दिये जाने की मांग की है। किसानों ने बताया कि ओलावृष्टि से गेहूं और मूंग फसल को काफी नुकसान पहुंचा था। ओलावृष्टि का प्रकोप रोहिना के आसपास के गांव में ज्यादा था। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर राजस्व विभाग द्वारा फसल क्षति का आकलन भी करवाया गया तथा हल्का पटवारी द्वारा आरबीसी 6-4 के तहत मुआवजा प्रकरण तैयार कर तहसील कार्यालय में 16.04. 2024 को जमा किया गया है। राजस्व विभाग का कहना है कि मुआवजा राशि के लिए एक करोड रुपए आबंटन की मांग की गई है। राहत शाखा से मिली जानकारी के अनुसार 5 नवंबर को ही तहसील कार्यालय बसना को एक करोड़ रुपए का आवंटन भेज दिया गया है। तहसीलदार बसना को मुआवजा राशि शीघ्र वितरण के निर्देश दिए गए हैं।

पिछले 20 मार्च को रोहिना

क्षेत्र में भयंकर ओलावृष्टि हुई जिसके चलते रबी फसल बर्बाद हो गई। जिन किसानों ने गेहूं, मूंग, उड़द आदि फसल लिए थे उनकी फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई। ओलावृष्टि से रोहिना, कापुडीह, दुर्गापाली, सागरपाली, बिजराभांठा, बिरसिंगपाली, बुधुडोंगर आदि गांव में व्यापक रूप से क्षति हुई है। किसानों ने बताया कि पहली बार इतने बड़े-बड़े ओले गिरते हुए देखा था। आधे घंटे की ओलावृष्टि से लहलहाती फसल चौपट हो गई। किसानों की मांग पर राजस्व विभाग द्वारा फसल क्षति का आकलन कर मुआवजा प्रकरण तैयार किया गया है। हल्का पटवारी ने बताया कि ग्राम रोहिना के 98 किसानों का करीब 111 हेक्टेयर रबी फसल मुआवजा प्रकरण तैयार कर तहसीलदार बसना के पास जमा कर दिया गया है। कृषक बसंत नायक, दिवाकर साहू, विजय साहू, वीरेंद्र सेठ, चूड़ामणी साहू, गिरधारी, भगवानो बेहरा, रूपानंद साहू, ग्राम पंचायत रोहिना सरपंच जज्ञसिनी साहू आदि ने कलेक्टर को पत्र लिखकर तत्काल मुआवजा राशि दिलाए जाने की मांग की है।

एक करोड़ मुआवजा राशि की मांग- तहसील कार्यालय बसना से मिली जानकारी के अनुसार राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत रबी फसल क्षति की मुआवजा राशि वितरण करने हेतु बजट आवंटन उपलब्ध कराने संबंधी पत्र 19.7.2024 को कलेक्टर महासमुंद राहत शाखा को प्रेषित किया गया है। पत्र में बताया गया है कि तहसील बसना अंतर्गत बेमौसम बरसात एवं ओलावृष्टि से हुई क्षति के लिए करीब 1 करोड़ राशि की मांग की गई है। ओलावृष्टि में बसना ब्लॉक के अंतर्गत करीब 244 किसानों के करीब 296 हेक्टेयर में लगी रबी फसल खराब होने की जानकारी दी गई है। तहसील बसा को आबंटन राशि भेज दी गई है।आवंटन राशि प्राप्त होने के कारण किसानों को मुआवजा राशि शीघ्र मिलने की उम्मीद है।

यह ज्ञातव्य हो कि मुआवजा राशि वितरण में हो रही विलंब को लेकर सरायपाली विधायक श्रीमती चातुरी नंद ने विधानसभा में मामले को रख चुकी है।

कलेक्टर पहुंचे सिम्स, विभिन्न वार्डो का दौरा कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

मरीजों से मुलाकात कर पूछा कुशलक्षेम

बिलासपुर (समय दर्शन)। कलेक्टर अवनीश शरण ने आज सिम्स अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न वार्डों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इलाज कराने आए मरीजों से मुलाकात कर कुशलक्षेम पूछा। भोजन की गुणवत्ता का जायजा लिया। कलेक्टर ने मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त श्री अमित कुमार, सिम्स के डीन डॉ. रमणेश मूर्ति और अस्पताल अधीक्षक डॉ. लखन सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर ने सबसे पहले दवाई वितरण केन्द्र का जायजा लिया। यहां मरीजों के लिए टोकन सिस्टम शुरू किया गया है, जिससे मरीजों को दवा लेने में आसानी हो रही है। कलेक्टर ने इस व्यवस्था पर संतुष्टि जाहिर की। उन्होंने फ्मिेल मेडिकल वार्ड में मरीजों से मुलाकात कर मिल रहे खाने की गुणवत्ता के संबंध में जानकारी ली। मरीज प्रमिला गुप्ता ने भोजन की गुणवत्ता पर संतुष्टि जाहिर की। उन्होंने बताया कि डॉक्टर और कर्मचारी भी अच्छा व्यवहार करते हैं। कलेक्टर ने सेन्ट्रल किचन का भी मुआयना किया। कलेक्टर ने लेबर वार्ड, आपातकालीन वार्ड, ट्रायज, मेल-फ्मिेल मेडिकल वार्ड, सर्जिकल वार्ड, एमआरडी, लैब, जैव रसायन विभाग, एचआईवी जांच सेन्टर, किचन शेड, पेयिंग वार्ड, गार्डन आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने पेयिंग वार्ड का मरम्मत जल्द कराने के निर्देश दिए। अस्पताल में नियमित साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए।

बच्चों को साइबर अपराध की जानकारी देकर उनको बचाव के तरीके बताए गए

ग्राम सावित्रीपुर में आयोजित स्काउट गाइड शिविर में जागरूकता अभियान

महासमुंद (समय दर्शन) । जिले के ग्राम सावित्रीपुर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में चल रहे विकासखंड स्तरीय स्काउट गाइड शिविर में साइबर अपराधों को रोकने व साइबर क्राइम के प्रति आमजन को सजग करने के लिए शिविर में उपस्थित सैकड़ो बच्चों शिक्षकों को विशेष साइबर जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके तहत बच्चों को साइबर अपराध की जानकारी देकर उनको बचाव के तरीके बताए गए। आपको बता दे यह आयोजन आशुतोष सिंह पुलिस अधीक्षक, राणा सिंह ठाकुर थाना प्रभारी साकरा के मार्गदर्शन में मास्टर ट्रेनर साइबर क्राइम एक्सपर्ट मनोज डडसेना विशेष आरक्षण द्वारा शिविर में उपस्थित होकर बच्चों को साइबर अपराध की जानकारी देकर उनका बचाव के तरीके बताए गए। आपको बता दे इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करना। उक्त आयोजन में मुख्य रूप से रामकुमार नायक शिविर संचालक,गौरव चंद्राकर, राजा बाबू उपाध्याय पत्रकार, छबिलाल रात्रे, शिवकुमारी मालिन दास मानिकपुरी सरपंच सावित्रीपुर, गोकुलानंद प्रधान समिति अध्यक्ष स्थानीय जनप्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

ग्राम अमोरा में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का हुआ आयोजन

363 आवेदन प्राप्त हुए, 45 का किया गया मौके पर निराकरण

मुंगेली (समय दर्शन)। कलेक्टर राहुल देव के निर्देशानुसार पथरिया विकासखण्ड के ग्राम पंचायत अमोरा में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर आमलोगों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा 55 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पाण्डेय, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती जागेश्वरी वर्मा, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने विभागीय स्टॉलों का अवलोकन किया। शिविर में मांगों एवं शिकायतों से संबंधित कुल 363 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 45 आवेदनों का मौके पर निराकरण किया गया।

धान बेचने में किसी भी प्रकार की समस्या के लिए टोल फ्री नम्बर जारी इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि शिविर का उद्देश्य सिर्फ समस्या का समाधान करना नही है, बल्कि इसके साथ योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना और आमजनों को लाभ उठाने के लिए प्रेरित करना भी है। उन्होंने कहा कि 14 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने वाली है। धान बेचने में किसी भी प्रकार की समस्या के लिए टोल फ्री नम्बर 9406275514 पर कॉल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि शिविर में आवास योजना सहित जो भी आवेदन प्राप्त हुए है, उनका विभागीय अधिकारी द्वारा गंभीरतापूर्वक निराकरण किया जाएगा। जिला पंचायत सदस्य श्रीमती वर्मा ने कहा कि शिविर में सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित हैं। आप सभी लोग अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन अवश्य दीजिए। आपकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने आमलोगों को शासन की योजनाओं का लाभ लेने प्रेरित किया। जनपद सदस्य श्री सत्या लहरे ने कहा शिविर में आम जनता बड़ी उम्मीद से आते हैं। उनकी समस्याओं का उचित समाधान होना चाहिए।

विभिन्न योजनाओं से 55 हितग्राहियों को किया गया लाभान्वित- शिविर में मछली विभाग अंतर्गत 03 हितग्राहियों को मत्स्य जाल, खाद्य विभाग अंतर्गत 06 को राशनकार्ड, कृषि विभाग अंतर्गत 05 को मसूर किट, स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत 05 को आयुष्मान कार्ड, राजस्व विभाग अंतर्गत 03 को किसान-किताब, श्रम विभाग अंतर्गत 05 को श्रम कार्ड नवीनीकरण एवं कार्ड का वितरण, शिक्षा विभाग के अंतर्गत 12 बच्चों को जाति निवास प्रमाण पत्र, 04 को दिव्यांग उपकरण तथा 04 बच्चों को गणवेश का वितरण किया गया। इसके साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत 05 बच्चों को अन्नप्राशन कराया गया और सुपोषण किट का वितरण किया गया। शिविर में परिवहन विभाग द्वारा स्टाल लगाकर लर्निंग लाइसेंस भी बनाया गया। लोक कलाकार रेखा देवार और उनकी टीम द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर पथरिया एसडीएम बी. आर. ठाकुर, डिप्टी कलेक्टर अजय शतरंज सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के आगमन पर पत्रकारों ने 18 बिंदुओं में ज्ञापन सौंप कार्यवाही की मांग की

जिले में चल रहे गैर कानूनी गतिविधियों में अंकुश लगाने सहित पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग की गई

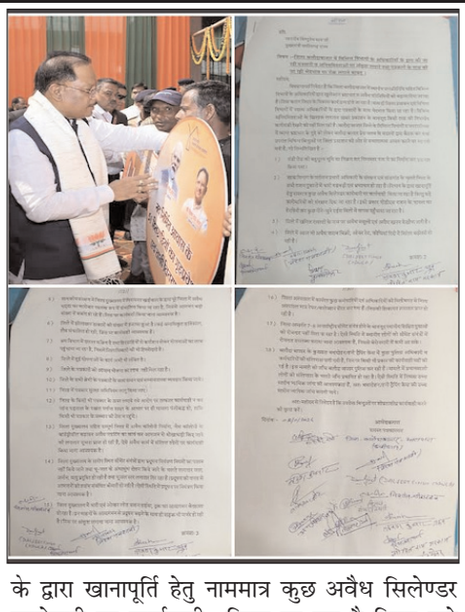

बलौदाबाजार (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रथम बलौदाबाजार आगमन पर राज्योत्सव कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री के पत्रकारों पर मानहानि की धमकी का माहौल सहित रेल योजना जैसे प्रमुख मुद्दे और पूर्व में हुए घोषणाओं में अमल ना होने का मुद्दा भी छाया रहा द्य वहीं जिला पत्रकारगणों द्वारा मुख्यमंत्री को जिला बलौदाबाजार में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के द्वारा की जा रही मनमानी व अनियमितताओं पर अंकुश लगाने तथा पत्रकारों के साथ की जा रही भेदभाव पर रोक लगाने 18 बिन्दुओं का लिखित ज्ञापन सौंपा गया जिसमें जिला बलौदाबाजार में स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा खुलेआम भ्रष्टाचार व अवैध गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। जिस कारण जिला के विकास कार्य ठप्प होते जा रहा है। साथ ही जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों में पदस्थ अधिकारियों के द्वारा पत्रकारों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। विभिन्न अनियमितताओं के खिलाफलगातार खबर प्रकाशन के बावजूद किसी तरह की विभागीय कार्यवाही देखने को नहीं मिल रही है। बलौदाबाजार जिले के विभिन्न विभागों व नगरपालिका में व्याप्त भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर बलौदा बाजार प्रेस क्लब के सदस्यों द्वारा बैठक कर चर्चा उपरांत विभिन्न बिन्दुओं पर जिला प्रसाशन की ओर से सकारात्मक अमल करने पर सहमती बनी है, जो निम्नलिखित है :-

1) मंडी रोड की बहुमूल्य भूमि का विक्रय कर निम्नस्तर पाथ वे का निर्माण कर भ्रष्टाचार किया गया।

2) खाद्य विभाग के वर्तमान प्रभारी अधिकारी के संरक्षण एवं सांठगांठ के चलते जिला के सभी राशन दुकानों में भारी गड़बड़ी एवं भ्रष्टाचार हो रहा है। विभाग के द्वारा खानापूर्ति हेतु नाममात्र कुछ अवैध सिलेण्डर कारोबारी पर कार्यवाही किया जा रहा है किन्तु बड़े कारोबारियों को संरक्षण दिया जा रहा है। इसी प्रकार पीडीएस राशन के चावल का हेराफेरी क़र कुछ गीने-चुने राईस मिलों में वापस पहुँचाया जा रहा है।

3) जिले में खनिज रायल्टी के नाम पर अवैध वसूली एवं अवैध खनन बेखौफ जारी है।

4) जिले में आज भी अवैध शराब बिक्री, ओवर रेट, कोचियां गिरी में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है।

5) शासकीय संरक्षण में जिला मुख्यालय में निवासरत खाईवाल के द्वारा पूरे जिला में अवैध सट्टा का कारोबार व्यापक रूप में संचालित किया जा रहा है, जिससे आमजन बड़ी संख्या में बर्बाद हो रहे हैं। जिस पर कार्यवाही किया जाना आवश्यक है।

6) जिले में झोलाछाप डाक्टरों की संख्या में इजाफ हुआ है। कई अनाधिकृत हास्पिटल, लैब संचालित हो रही, जिस पर कार्यवाही आवश्यक है।

7) श्रम विभाग में दलाल सक्रिय है तथा हितग्राहियों से कमीशन लेकर योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है, जिसमें जिलाधिकारी की भी हिस्सेदारी है।

8) जिले में हुई घोषणाओं के कार्य अभी भी लंबित है।

9) जिले के पत्रकारों को आवास योजना का लाभ नहीं मिल रहा है।

10) जिले के सभी श्रेणी के पत्रकारों के साथ समान एवं सम्मानजनक व्यवहार किया जाये।

11) जिला में पत्रकार सुरक्षा अधिनियम लागू किया जाए।

12) जिला के किसी भी पत्रकार के ऊपर लगाये गये आरोप पर तत्काल कार्यवाही न कर जांच पड़ताल के पश्चात पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर ही मामला पंजीबद्ध हो, ताकि किसी भी पत्रकार के सम्मान को ठेस न पहुंचे।

13) जिला मुख्यालय सहित सम्पूर्ण जिला में अवैध कॉलोनी निर्माण, वैध कॉलोनी के बाउंड्रीवॉल बढ़ाकर अवैध प्लाटिंग का कार्य कर आमजन से धोखाधड़ी किए जाने की लगातार सूचना प्राप्त हो रही है, ऐसे अवैध कार्य में संलिप्त लोगों पर कार्यवाही किया जाना आवश्यक है।

14) जिला मुख्यालय के समीप स्थित सीमेंट संयंत्रों द्वारा प्रदूषण नियंत्रण नियमों का पालन नहीं किये जाने तथा भू-जल के अंधाधुंध दोहन किये जाने के चलते लगातार जल, जमीन, वायु प्रदूषित हो रही हैं तथा भूजल स्तर लगातार गिर रहा हैं। प्रदूषण की वजह से आमजनों को श्वांस संबंधित बीमारी हो रही है। ऐसी स्थिति में प्रदूषण पर नियंत्रण किया जाना आवश्यक है।

15) जिला मुख्यालय में भारी एवं ओव्हर लोड वाहन हाईवा, ट्रक का आवागमन बेतहाशा हो रहा है। इन वाहनों के आवागमन से प्रदूषण बढ़ने के साथ ही सड़क भी जर्जर हो रही है। जिस पर अंकूश लगाया जाना आवश्यक है।

16) जिला अस्पताल में कार्यरत कुछ कर्मचारियों एवं अधिकारियों की मिलीभगत से जिला अस्पताल मात्र रेफर/कलेक्शन सेंटर बन गया हैं। जिसकी शिकायत लगातार प्राप्त हो रही है।

17) जिला अन्तर्गत 7-8 अन्तर्राष्ट्रीय सीमेंट संयंत्र होने के बावजूद स्थानीय शिक्षित युवाओं को रोजगार नहीं मिल पा रहा है। ऐसी स्थिति में स्थानीय लोगों को सीमेंट संयंत्रों में रोजगार उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है, जिससे बेरोजगारी में कमी आ सके।

18) बलौदा बाजार के कुख्यात भयादोहन/हनी ट्रैपिंग केस में कुछ पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों की संलिप्तता पायी गयी हैं, जिन पर किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गई है। इस मामले की जाँच बलौदा बाजार पुलिस कर रही हैं। मामले में प्रभावशाली लोगों की संलिप्तता के चलते जाँच प्रभावित हो रहा है। ऐसी स्थिति में निष्पक्ष उच्च स्तरीय न्यायिक जांच की आवश्यकता हैं, अत: भयादोहन/हनी ट्रैपिंग केस की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच करायी जाये आदि की मांग की गई है द्य

परमेसु बायोटेक ने सेबी के पास 600 करोड़ का आईपीओ दाखिल किया

परमेसु बायोटेक लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (DRHP) दाखिल किया है। परमेसु बायोटेक भारत में मक्का आधारित विशेष उत्पादों के सबसे बड़े निर्माताओं में से एक है। विविध उत्पाद पोर्टफोलियो में देशी मक्का स्टार्च, संशोधित मक्का स्टार्च, तरल ग्लूकोज, माल्टोडेक्सट्रिन पाउडर, और सह-उत्पाद जैसे कि जर्म्स, ग्लूटेन, फाइबर, कॉर्न स्टीप लिकर, और समृद्ध फाइबर आदि शामिल हैं। कंपनी की योजना आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (IPO) के माध्यम से 6,000 मिलियन रुपये [600 crore] तक का फ्रेश जुटाने की है। इक्विटी शेयर पूंजी (face value 5 each) के कुल निर्गम आकार में 5,200 मिलियन (520 crore) तक का नया निर्गम और ?800 मिलियन (80 crore) तक का ऑफ़र-फॉर-सेल (OFS) शामिल है। कंपनी की योजना शुद्ध आय का उपयोग निम्नलिखित के लिए करने की है: (i) मध्य प्रदेश में 1200 टीपीडी के नए संयंत्र की स्थापना के लिए पूंजीगत व्यय की आवश्यकता को वित्तपोषित करना, जिसकी अनुमानित कीमत 3,300 मिलियन [330 crore] है;

कलेक्टर - सीईओ ने अपने जन्मदिन पर बच्चों को बांटी खुशियाँ, स्कूली बच्चों को न्यौता भोज देकर अपने हाथों से परोसा भोजन

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक अग्रवाल एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रीता यादव ने अपने जन्मदिन के अवसर पर स्कूली बच्चों को न्योता भोज दिया।कलेक्टर श्री अग्रवाल एवं सीईओ श्रीमती यादव ने दोपहर जिला मुख्यालय स्थित शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला डाकबंगला स्कूल पहुंचे। इस दौरान उन्होंने नन्हें-मुन्ने स्कूली बच्चों के हाथों केक काटा एवं बच्चों को केक खिलाये,साथ ही उन्हें चॉकलेट भी बांटा। बच्चों ने कलेक्टर एवं सीईओ को गुलदस्ता भेंट कर एवं जन्मदिन की शुभकानाएं गीत गाकर बधाईयां दी। उसके बाद कलेक्टर एवं सीईओ ने बच्चों को पंगत में बैठाया और उन्हें पूडी,सब्जी,दाल,चावल और खीर परोसा। वे बच्चों के पास जाते रहे और उनकी पसंद पूछकर व्यंजन को परोसा।उसके उपरांत कलेक्टर एवं सीईओ ने बच्चों के बीच पंगत में बैठकर उनके साथ तिथि न्यौता भोजन किया।स्कूली बच्चों ने कलेक्टर एवं सीईओ को अपने बीच भोजन करते समय उनके चेहरे पर खुशियां साफ झलक रही थी और वे बेहद प्रसन्न लग रहे थे। इस दौरान कलेक्टर ने बच्चों को पढ़ाई-लिखाई, खेलकूद, व्यावहारिक,सांस्कारिक जानकारी सहित विभिन्न गतिविधियां करने की समझाईश दी। इस दौरान बच्चों ने कलेक्टर एवं सीईओ को थैंक यू कहा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पोषण शक्ति अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने न्योता भोज के अभिनव पहल की शुरुआत की है।इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों में पौष्टिक खुराक बढ़ाना। साथ ही इसमें सभी अधिकारी कर्मचारी तथा समाज से जुड़े हुए हर वर्ग के लोग अपने विशेष दिवस चाहे वह जन्मदिन हो या विवाह वर्षगांठ हो।उस दिन अपने आसपास के सरकारी स्कूल के बच्चों के बीच जाएं और अपनी क्षमता के अनुसार जो भी हो उन्हें पौष्टिक आहार देने की कोशिश करने की अपील की गई है।इसी तारतम्य में कलेक्टर श्री अग्रवाल ने अधिकारीगण और आम नागरिकों से आग्रह करते हुए कहा कि वे अपने जीवन के महत्वपूर्ण दिन क्षण इत्यादि को स्कूल के बच्चों के साथ मनाएं। उन्हें इसी प्रकार से न्योता भोज दें।उन्हें इस प्रकार का भोजन करा सकते है या उनके भोजन में पौष्टिक भोज्य पदार्थ शामिल कर सकते है।उन्हें बच्चों के साथ अपनी खुशी बांटने का मौका मिलेगा। सामुदायिक सहयोग से स्कूली बच्चों के खानपान में पोषण आहार की मात्रा बढ़ाने "न्यौता भोजन" की अभिनव पहल की जा रही है। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर राकेश गोलछा,जिला शिक्षा अधिकारी ए.के. सारस्वत,डिप्टी कलेक्टर अंजली खलखो,डीएमसी के.एस.नायक,प्रभारी बीईओ अमजद जाफरी,अन्य अधिकारी सहित शिक्षकगण एवं स्कूली बच्चे मौजूद थे।

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202410100700200/

विषय:- अ-27
मामले की श्रेणी:- राजस्व
सन:- 2024-2025
कातुलबोड प.ह.न. 00042 [19/17(0.1340हे.)]
पक्षकारों का विवरण -आवेदक पक्षकार दिव्या, सुरेन्द्र कुमार, शकुन्तला, शारदा, भरत कुमार, अनीष, रामकुमार,
अनावेदक पक्षकार -अनीष, दिव्या, रामकुमार, सुरेन्द्र कुमार, शारदा, भरत कुमार, शकुन्तला,

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदिका श्रीमती शकुतला सिन्हा ध.प. गजेन्द्र कुमार सिन्हा निवासी गंगा विहार कॉलोनी, ग्राम-मछेवा, पोस्ट-भम्हनी महासमुंद जिला-महासमुंद (छ.ग.) के द्वारा ग्राम कातुलबोड़ तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 19/17 रकबा 0.134 हे./14400 वर्गफीट भूमि जो कि आवेदक एवं अनावेदकगण के नाम पर शामिलात रूप से वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उपरोक्त शामिल संपत्ति/भूमि के संबंध में आवेदिका द्वारा उक्त वादभूमि/जगह के संबंध में अपना अलग से भू-अधिकार पुस्तिका प्राप्त कर, राजस्व रिकार्ड में उल्लेखित शामिल संपत्ति में से अपने हक व कब्जे की संपत्ति/भूमि के संबंध में अपना नाम विधिवत पृथक से दर्ज करवा, बंटवारा प्राप्त करने हेतु माननीय व्यवहार न्यायालय, दुर्ग के समक्ष 01 दीवानी दावा अनावेदकगणों के विरूद्ध प्रस्तुत किया गया था, व्य.प्र.क्र. 131-अ/2019 था। उक्त प्रकरण के विचाराधीन रहने के दौरान में उभयपक्षों के मध्य आपसी राजीनामा हो जाने से, माननीय व्यवहार न्यायालय द्वारा दिनांक 08/05/2024 को प्रस्तुत उनके आपसी राजीनामा आवेदन-पत्र को स्वीकार कर, आवेदिका का प्रस्तुत आवेदन पत्र न्यायहित में स्वीकार कर, व्य.प्र.क्र. 131-अ/2019, पक्षकार श्रीमती शकुंतला सिन्हा विरूद्ध सुरेन्द्र जायसवाल वगै. में नेशनल लोक अदालत खण्डपीठ के. 23, माननीय दश्म् व्यवहार न्यायाधीश महोदय, श्रीमती प्रज्ञा अग्रवाल, कनिष्ठ श्रेणी, दुर्ग द्वारा पारित आदेश दिनांक 21/09/2024 के परिपालन/निष्पादन में आवेदिका को आपसी-राजीनामा आर्टिकल ए में संलग्न अनुसूची-अ के रेखांकित नक्शा के खंड-डी अनुसार 41 X 68 = 2788 वर्गफीट प्राप्त उसकी भूमि के संबंध में उसका नाम राजस्व अभिलेख में पृथक से दर्ज कर, उसके नाम से पृथक से भू-अधिकार पुस्तिका जारी करने का आदेश पारित किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को माननीय न्यायालय के आदेश के आधार पर खाता विभाजन किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 08/11/2024 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 22/10/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग

मामलेकी श्रेणी राजस्व
संदर्भ- जिला- दुर्ग तहसील दुर्ग प.ह.न.- 00039 बोरसी ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमाक-आर डी 202425430104700012

ईश्तहार

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00039 के अंतर्गत ग्राम बोरसी के वर्तमान भूमिस्वामी चुम्मनलाल साहू पिता/पति-एन. के. साहू पता- 207 ए/रिसाली के द्वारा पारित भूमि खसरा क्रमांक 215/22(0.0180) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता श्रीमती चंचला मानकर पिता/पति-नीलाराम मानकर पता-मधुबन नगर बोरसी, दुर्ग के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 11/11/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था की कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपति स्वयं अधिवक्ता/आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते हैं। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह इस्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 25/10/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं ने विभिन्न मांगों के साथ किया प्रदर्शन

छत्तीसगढ़ जुझारू आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका कल्याण संघ व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संयुक्त मंच छत्तीसगढ़ के बैनर तले किया प्रदर्शन

कवर्धा (समय दर्शन)। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं ने अपनी विभिन्न मांगों के साथ शुक्रवार को राजीवगांधी पार्क में धरना प्रदर्शन किया और अपनी मांगों के समर्थन में खूब नारेबाजी की। इसके बाद वे रैली की शक्ल में राजमहल चौक, भारतमाता चौक होती हुई कलेक्ट्रेट पहुंची, जहां उन्हें प्रवेश द्वार के पास रोक दिया गया। इससे उत्तेजित होकर वे मुख्यद्वार के पास ही नारेबाजी के साथ प्रदर्शन करने लगे। अंत में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर प्रदर्शन समाप्त किया।

जिला मुख्यालय कवर्धा में आयोजित धरना प्रदर्शन में जिले भर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं ने छत्तीसगढ़ जुझारू आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका कल्याण संघ व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संयुक्त मंच छत्तीसगढ़ के बैनर तले प्रदर्शन किया। इस दौरान संघ जिलाध्यक्ष सोनबाई बंजारे व पार्वती यादव ने बताया कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में कार्यरत हम मेहनतकश महिला कर्मियों को जो मूलभूत सुविधा और लाभ केन्द्र और राज्य सरकार से मिलनी चाहिए उस ओर शासन का ध्यानाकर्षण करने हेतु आज एक दिवसीय धरना / प्रदर्शन किया गया है। इसके बाद भी यदि मांगें पूरी नहीं होती है, तो उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

संघ का कहना है कि पंचायती राज के अधीन छत्तीसगढ़राज्य में पंचायत कर्मी, शिक्षा कर्मी, स्वास्थ्य कर्मी, पंचायत सचिवों जैसे मानसेवियों को सरकार नीति बनाकर उन्हें नियमित (शासकीय कर्मचारी) कर चुकी है, लेकिन हम आंगनवाड़ी कार्यकर्ता विगत 50 सालों से कार्यरत है लेकिन हम आज भी मानसेवी नहीं है। आपसे हमारी अनुरोध है कि सभी आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को नियमित करते हुये शासकीय कर्मचारी घोषित किया जावे। शासकीय कर्मचारी घोषित करने तक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को 21000/- और सहायिका को 17850/- जीने लायक वेतन स्वीकृत किया जावे। साथ ही वर्तमान में कार्यकर्ताओं को प्राप्त मानदेय 10000/- रूपये का 85 प्रतिशत राशि सहायिकाओं के लिये स्वीकृत किया जावे और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को नियमित करते हुए शासकीय कर्मचारी घोषित किया जाए।

सेवा निवृत्ति पश्चात पेंशन ग्रेज्युटी:- 35-40 वर्ष विभाग की सेवा करने के बाद भी बुढ़ापे के समय जीवन यापन हेतु ना तो कोई पेंशन मिल रहा है और ना ही एकमुश्त राशि। कार्यकर्ता को 10000/- और सहायिका को 8000/- मासिक पेंशन और बुढ़ापे के शेष जीवन यापन के लिए कार्यकर्ता को 5 लाख रुपए और सहायिकाओं को 4 लाख रुपए एक मुश्त ग्रेप्युटी राशि दी जाए। इसके साथ ही समूह बीमा योजना लागू करने, अनुकंपा नियुक्ति, महंगाई भत्ता एवं पदोन्नति आदि मांगे शामिल हैं।

गरियाबंद में जलाराम बापा की 225वीं जयंती: गुजराती समाज ने श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया

गरियाबंद (समय दर्शन)। 225वीं जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ रविवार 08 नवंबर को मनाई गई। इस अवसर पर गुजराती समाज का उत्साह देखते ही बना।गांधी मैदान स्थित हरीश भाई ठक्कर के निज निवास पर जलाराम बापा के तैल चित्र में मंगलाचरण से कार्यक्रम की शुरुआत हुई।गुजराती समाज के साथ अन्य समाज के लोगों ने पूजा की।वहीं,अभिषेक,पूजन,दीप दान,महाभोग का अनुष्ठान किए गए।महाआरती के बाद महिलाओं ने भजन कीर्तन कर जलाराम बापा का गुणगान किया। जयंती पर पूजन के बाद लोगों के बीच प्रसाद बांटा गया, खिचड़ी,कढ़ी,नुकी और गठिया का प्रसाद वितरित किया गया।भजन और गरबा में समाज की महिलाओं और पुरुष बच्चों बुजुर्गों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। उनके जीवन का मूलमंत्र था सेवा ही धर्म है. बापा का मानना था कि ईश्वर की सेवा उन्हीं इंसानों की सेवा में है जो जरूरतमंद हैं-रोमा सरवैय्या ने जलाराम बप्पा जी के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बतलाया जलाराम बापा ने अपने जीवनकाल में अन्नदान की परंपरा को अत्यधिक महत्व दिया।उन्होंने सदाव्रत नामक भोजनालय की स्थापना की,यहां जरूरतमंदों को मुफ्त भोजन उपलब्ध कराया जाता था.उन्होंने अपना पूरा जीवन अन्नदान और लोगों की सेवा में अर्पित कर दिया.महान संत जलाराम का जन्म संवत 1856 को कार्तिक शुक्ल सप्तमी को राजकोट के पास ग्राम वीरपुर में हुआ था उनके पिता प्रधान ठक्कर तथा माता राजबाई धार्मिक संस्कारों वाली महिला थी जिसका प्रभाव जलाराम पर भी हुआ, उन्होंने प्रभु भक्ति और मानव सेवा अद्भुत मिशाल कायम की,संत जलाराम ने अपने गुरु भोजलराम के आशीर्वाद से उन्होंने सदाव्रत नाम से भोजनशाला आरंभ की जिसमें साधु संतों व राहगीरों के लिए 24 घंटे निशुल्क भोजन की व्यवस्था की जाती हैं लोगों ने उनके धैर्य व प्रभु भक्ति की अनेक कठिन परिक्षाएं ली लेकिन जलाराम बापा सभी परिक्षाओं में खरे उतरे, लोगों को उनके आशीर्वाद से अनेक चमत्कार घटित होते देखें जिससे उनकी ख्याति तथा एक सिद्ध संत के रूप में जन आस्था का केंद्र बन गये तथा संत जलाराम बापा के रूप में पूजें जाने लगे।

यह मान्यता है कि आज भी जो सच्चे मन से बप्पा की पूजा करता है उसकी मनोकामना अवश्य पूरी होती है आज भी जलाराम बापा के तीर्थ के रूप पूरे विश्व में विख्यात है।

नाम परिवर्तन

मैं शौर्य कुमार (Shaurya Kumar) पिता श्री कैलाश सिंह (Kailash Singh), उम्र 24 वर्ष, निवासी ब्लाक नं. 3/सी, सड़क नं. 38, सेक्टर- 06, पोस्ट सिविक सेंटर भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग (छ0ग0) 490006 ,

मेरे नाम से आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, ड्रायविंग लायसेंस, शैक्षणिक अंकसूची एवं अन्य दस्तावेज जारी हुआ है जिसमें मेरा नाम एस. कुमार (S. Kumar) दर्ज है।

मेरा सही एवं वास्तविक नाम शौर्य कुमार (Shaurya Kumar) है जो कि सत्य एवं सही है।

आगे मै अब शौर्य कुमार (Shaurya Kumar) के नाम से जाना, पहचाना व पुकारा जाउंगा एवं आगे के सभी शासकीय/अर्द्धशासकीय/वित्तीय संस्थान के दस्तावेज पर मेरा यही नाम दर्ज किया जायें।

शासकीय गजट प्रकाशन में मेरा सही एवं वास्तविक नाम शौर्य कुमार (Shaurya Kumar) दर्ज करवाना चाहता हूं।

जिसके समर्थन में यह शपथपत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

Lexlegis.ai प्रस्तुत करता है इंटरैक्ट: कानूनी दस्तावेज़ों के प्रबंधन के लिए एक परिवर्तनकारी ए.आई. समाधान

मुंबई: विधिक टेक्नोलॉजी और लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स (एल.एल.एम.) में सबसे आगे, Lexlegis.ai ने परिवर्तनकारी सुविधा, इंटरैक्ट के पेशकश की घोषणा कर दी है, जिसे कानूनी व्यावसायियों द्वारा दस्तावेज़ की कार्य-प्रणाली का प्रबंधन, विश्लेषण और उन्हें अनुकूलित करने के तरीके को बदलने के लिए तैयार किया गया है। एक शक्तिशाली लीगल सर्च टूल के रूप में Lexlegis.ai की प्रतिष्ठा पर आधारित, इंटरैक्ट कानूनी प्रक्रियाओं को और भी अधिक सुचारु, तेज़ और अधिक कुशल बनाने के लिए ए.आई.-आधारित क्षमताओं को एकीकृत करते हुए इस प्लैटफ़ॉर्म के विकास को केस प्रबंधन के एक संपूर्ण समाधान के रूप में प्रदर्शित करता है। दस्तावेज़ों की तुलना, विश्लेषण और अंतर्दृष्टि के प्राप्तिकरण के लिए कुशल उपकरणों के साथ कानूनी व्यावसायियों को सशक्त बनाने की इसकी क्षमता इंटरैक्ट का मुख्य आधार है। एकल, इंट्यूइटिव इंटरफ़ेस के साथ, इसका उपयोग करने वाले अब ये कार्य कर सकते हैं:

- कानूनी दस्तावेज़ों की तुलना करना: अंतरों की पहचान करने और संगतता को सुनिश्चित करने के लिए अनुबंधों, करारों या केस की फाइलों की सहजता से तुलना करना।
- महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करना: लंबे कानूनी दस्तावेज़ों से महत्वपूर्ण विवरण प्राप्त करने या पी.डी.एफ और चित्रों से लिखित सामग्री को स्कैन करने के लिए ए.आई. का लाभ उठाना, जिससे स्वयं ढूँढने के प्रयास न करने पड़ें।
- दस्तावेज़ों का अनुवाद: कानूनी विषय-सामग्री को स्वचालित रूप से विभिन्न भाषाओं में अनुवाद करना, जिससे सीमा पार के मामलों और सहयोगों को सुविधाजनक बनाया जा सके।
- जोखिम का विश्लेषण: दस्तावेज़ों के भीतर संभावित जोखिमों या विसंगतियों की तुरंत पहचान करना, जिससे निर्णय लेने में बेहतर सहायता मिलती है।

Lexlegis.ai के संस्थापक, श्री साकार एस. यादव ने कहा, इंटरैक्ट कानूनी दस्तावेज़ों प्रबंधन को अगले स्तर पर ले जाता है।

संभागीय उडनदस्ता रायपुर एवं आबकारी उपनिरीक्षक वृत्त राजिम द्वारा की गई संयुक्त कार्यवाही

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल के निर्देश पर उपायुक्त आबकारी अनिमेष नेताम के तथा जिला आबकारी अधिकारी आर.एस.राठौर के मार्गदर्शन में संभागीय उडनदस्ता रायपुर एवं वृत्त राजिम जिला गरियाबंद के संयुक्त कार्यवाही की गई। जिसमें ग्राम बरेठीकोना नदी किनारे अवैध हाथ भटठी संबंधी कार्यवाही की गई है। उक्त कार्यवाही के दौरान संभागीय उडनदस्ता टीम द्वारा एक लावारिस प्रकरण मात्रा 165 लीटर हाथ भटठी शराब जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 33 हजार रूपये तथा वृत्त राजिम टीम द्वारा एक लावारिस प्रकरण मात्रा 105 लीटर हाथ भटठी शराब अनुमानित बाजार मूल्य 21 हजार रूपये पकड़ा गया है।

।। न्यायालय नजूल अधिकारी, दुर्ग जिला-दुर्ग (छ.ग.) ।।

नजूल अधिकारी, दुर्ग का प्र.क्र. 202411103500001
अ 20(3)/2024-25

// उदघोषणा//

आवेदक महेन्द्र शाह पिता श्री गांगजी भाई शाहजी जैन उम्र 66 वर्ष निवासी- म.नं. 39 मोहन नगर, दुर्ग जिला-दुर्ग द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहन नगर दुर्ग स्थित नजूल शीट नं. 09 भूखण्ड क्रमांक नं. 4/6 प्लाट नं. 56 क्षेत्रफल 1410 वर्गफुट भूमि को दुर्ग जिला गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या, राजनांदगांव से दिनांक 23/10/21 को पंजीकृत बयनामा के द्वारा क्रय किया गया है जिसके आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त आवेदित भूमि से विक्रेता/संस्था का नाम विलोपित कर आवेदक/क्रेता के नाम पर नामांतरण किये जाने पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो वह अपना आपत्ति/ दावा प्रकरण में 15 दिवस के भीतर न्यायालय नजूल अधिकारी, दुर्ग के समक्ष स्वत: अथवा अपने प्लीडर के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08/11/2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय में मुद्रा से जारी किया गया ।

मुहर

नजूल अधिकारी
दुर्ग

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग)

-: निविदा आमंत्रण सूचना:-

क्रमांक 26/लो.क.वि./न.पा. नि.जोन 02/2024 रायपुर दिनांक 06/11/2024

नगर पालिक निगम, रामपुर द्वारा निम्न प्रस्तावित कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों में से लिफाफा पद्धति में कम/अधिक दर एस.ओ.आर. में लिफाफा 'अ' में सीलबंद निविदायें तथा लिफाफा 'ब' में एफ.डी.आर. आमंत्रित की जाती है। इस हेतु कोरा निविदा प्रपत्र दिनांक 22.11.2024 को संध्या 4.00 बजे तक निर्धारित राशि जमा कर प्राप्त की जा सकती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 27.11.2024 को संध्या 4.00 बजे तक पंजीकृत डाक से जोन क्रमांक 02 में जमा किया जाएगा। प्राप्त समस्त निविदायें उसी दिवस को 5.00 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी। निर्धारित अवधि में यदि किसी दिन अवकाश होता है ती उल्लेखित कार्यवाही अगले कार्य दिवस पर सम्पन्न की जावेगी।

कार्य का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	कार्य का विवरण	आगणित राशि रु. लाख में	अमानती राशि	समयावधि	मद का नाम
1	रमण मंदिर वार्ड क. 14 अंतर्गत चूनाभट्ठी एवं काली मंदिर के आस-पास के क्षेत्र में सी.सी. नाली एवं रोड निर्माण कार्य।	6.80	7000=00	02 माह	पार्षद निधि
2	स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 हेतु वार्ड क्र. 13, 14, 26 एवं 36 अंतर्गत वाल पेटिंग का कार्य।	3.40	4000=00	01 माह	स्वच्छता सर्वेक्षण
3	वीरांगना अवंति बाई वार्ड क. 06 अंतर्गत दुर्गा नगर में सी.सी. नाली एवं रोड निर्माण / मरम्मत कार्य।	3.00	3000=00	01 माह	सामान्य मद
4	वीरांगना अवंति बाई वार्ड क. 06 अंतर्गत झाझापारा में सी.सी. नाली एवं रोड निर्माण / मरम्मत कार्य।	2.96	3000=00	01 माह	सामान्य मद
5	इंदिरा गांधी वार्ड क. 27 अंतर्गत किशोर मशनरी के पीछे गली में सी.सी. कव्हर्ड नाली निर्माण कार्य।	2.80	3000=00	02 माह	पार्षद निधि
6	हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड क. 36 अंतर्गत शिव मंदिर के पास नाली कव्हर का कार्य।	2.50	3000=00	01 माह	पार्षद निधि
7	स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 हेतु वार्ड क्र. 13, 14, 26 एवं 36 अंतर्गत वाल पेटिंग का कार्य।	2.30	3000=00	01 माह	स्वच्छता सर्वेक्षण
8	राजीव गांधी वार्ड क्र. 13 अंतर्गत पारस नगर स्थित शौचालय का संधारण एवं मरम्मत कार्य।	2.00	2000=00	01 माह	संधारण मद
9	स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 हेतु वार्ड क्र.06, 27, एवं 28 अंतर्गत वाल पेटिंग का कार्य।	1.60	2000=00	01 माह	स्वच्छता सर्वेक्षण

1. निविदा संबंधी अन्य शर्तें एवं जानकारियों जोन क. 02 कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, शहीद स्मारक स्कूल परिसर, बीएसएनएल ऑफिस के पास, के.के. रोड, रायपुर से कार्यालय अवधि/दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

जोन आयुक्त
जोन क्र. 02
नगर पालिक निगम, रायपुर

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

आनंद सरोवर में माउंट आबू से ललित भाई का आगमन

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय आनंद सरोवर बघेरा में संस्था के अंतराष्ट्रीय मुख्यालय माऊँट आबू से ललित भाई का आगमन हुआ जो कि संस्था के चार्टड अकाउंटेंट के साथ बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं।वे संस्था में विभिन्न पदों का निर्वहन कर रहे है ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय वे 1997 से समर्पित रूप से सेवाएँ दे रहे हैं । एक दिवसीय प्रवास पर दुर्ग में व्याख्यान हुआ जिसमें उन्होंने कहा कि तीर्थ स्थान पर जाते हैं तो भाग्य तीर्थ स्थान का बनता है कि तीर्थ यात्री का , तो हम बहुत भाग्यशाली हैं और आप भी जो आनंद सरोवर के इस तीर्थ स्थान पर आये हैं । मेरे जीवन का एक ही लक्ष्य था परमात्मा का साक्षात्कार करना है जो कि ब्रह्माकुमारीज में आने के पश्चात् पूर्ण हो गया । एक छोटे से गांव से आये हुए मुझ जैसे सामान्य बालक को परमात्मा ने अपने श्रेष्ठ कार्य में सहयोगी बनाकर ऊँचे शिखर में सुशोभित कर दिया । इसका महत्वपूर्ण कारण है जिस परमात्मा ने मेरा हाथ पकड़ा है उस पर संपूर्ण निश्चय अन्तिम घड़ी तक भगवान हमारे निश्चय की परीक्षा लेता है । हमारा निश्चय और भगवान की याद हर कार्य में सफलता दिलाता है । मनुष्य को कोई कार्य बोलोगे तो उन्हें याद दिलाना पड़ता है भगवान को याद नहीं दिलाना पड़ता है । जहाँ भगवान पर निश्चय है वहाँ विजय है जहाँ संशय है वहाँ भगवान नहीं है।जो अन्नय भाव से भगवान को याद करता है वहाँ उनके सब कार्य की जिम्मेदारी भगवान ले लेता है । हज़ार हाथ का भगवान सिर्फ हम बच्चे महसूस कर सकते हैं दुनियाँ वालों को पता भी नहीं चलता । जब हम राजयोग का अभ्यास करते हैं तो व्यर्थ और नकारात्मक प्रभाव खत्म हो जाता है । ब्रह्माकुमारीज दुर्ग की संचालिका रीटा बहन ने ललित भाई का स्वागत करते हुए कहा कि हम सभी का परम सौभाग्य है कि आपके आगमन से सभी अभिभूत है । मंच संचालन रुपाली बहन ने किया । सतीश जसवानी और लता सोनी के सुमधुर गीतों ने आयोजन में चार चाँद लगा दिया ।

संक्षिप्त-खबर

कमला कालेज की छात्राओं का अंर्तविश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता हेतु चयन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शासकीय कमला देवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव की 2 छात्राओं कु. थनेश्वरी बीए भाग-दो एवं कु. चारू रंगारी बीए भाग-एक का चयन कलिंगा विश्व विद्यालय भुवनेश्वर, उड़ीसा में दिनांक 6 से 10 नवंबर तक आयोजित होने वाली पूर्वी क्षेत्र अंर्तविश्वविद्यालयीन वॉलीवाल प्रतियोगिता हेतु हुआ है। इसके पूर्व शासकीय डीबी कन्या महाविद्यालय, रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर दोनों छात्राओं का चयन किया गया। कु. थनेश्वरी एवं कु. चारू रंगारी पिछले कई वर्षो से श्रीमती संध्या धुर्वे (पुलिस विभाग) से स्टेट स्कूल, राजनांदगांव में वॉलीवाल का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है, उनकी इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आलोक मिश्रा, क्रीड़ाधिकारी डॉ. नीता एस. नायर एवं समस्त प्राध्यापकों ने बधाई दी।

अहिवारा नगर पालिका के सभी वार्डों में कब होगी सफाई

अहिवारा (समय दर्शन)। नगर पालिका अहिवारा के बान बरद क्षेत्र में सफाई कर्मचारियों के द्वारा सफाई का कार्य प्रारंभ किया जा रहा है और जिस प्रकार लगातार नगर पालिका अहिवारा के द्वारा समय-समय पर बानब रद के तीनों वार्ड 13,14,15,में सफाई एवं कचरा उठाया जाता है इस कार्य को देखते हुए वार्ड नंबर 15 के निवासी मुरली जिला सचिव कांग्रेस ने कहा कि यह कार्य रोज होना चाहिए जगह-जगह पर झील्ली पॉलिथीन कचरे दिखते रहते हैं सफाई की ओर नगर पालिका अहिवारा के ष्टस्लू, कर्मचारी ध्यान नहीं दे रहे हैं उनसे आग्रह है कि प्रतिदिन आकर सफाई निरंतर करते रहे। अहिवारा नगर पालिका में 15 वर्ड होते हैं परंतु कर्मचारी अध्यक्ष एवं पार्षद गण सिर्फ अहिवारा को ही सफाई के लिए फोकस करते हैं और बाकी कर्मचारी अपने निवास में रखते हैं जिसके कारण अहिवारा की सफाई व्यवस्था चरमरा गई है

जिले में मजदूरों के पलायन को रोकने के लिए कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

महासमुंद (समय दर्शन)। जिले में मजदूरों द्वारा अधिक मजदूरी की तलाश में अन्य राज्यों की ओर पलायन करने की बढ़ती प्रवृत्ति पर संज्ञान लेते हुए कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। जानकारी के अनुसार मजदूर अधिक आय की उम्मीद में बाहरी राज्यों की ओर जा रहे हैं। कलेक्टर ने ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों को निर्देशित किया है कि वे पलायन को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाएं। इस संबंध में ग्राम पंचायत सचिवों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे पलायन करने से पहले सभी श्रमिकों का पूरा विवरण पलायन पंजी या विभागीय पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज करवाएं। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि श्रमिकों को बिना विवरण दर्ज किए पलायन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस संबंध में पत्र के माध्यम से निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही, जन जागरूकता के लिए मुनादी और अन्य माध्यमों से प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के भी आदेश दिए गए हैं। सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारी और जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को इन निर्देशों का सख्ती से पालन करने के लिए कहा गया है।

नंदिनी में धूमधाम से मनाया गया ग्यारहवीं शरीफ

नंदिनी अहिवारा (समय दर्शन)। । मुस्लिम समाज नंदिनी नगर (अहिवारा) द्वारा दिनांक 16 अक्टूबर से 3 नवम्बर तक ग्यारहवीं शरीफ के मुबारक महीने में ईदगाह मैदान (5 दिन), नुरानी जामा मस्जिद (2 दिन), मुस्लिम समाज के मदरसा एवं? कार्यालय (100 युनिट) (1दिन) और मुस्लिम समाज के लोगो के अलग-अलग घरों में ग्यारहवीं शरीफके मिलाद शरीफऔर आमलंगर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नुरानी जामा मस्जिद के इमाम मोहम्मद फ्रीद साहब, गौसिया मस्जिद, अहिवारा के इमाम मौलाना शेख हसनैन अख्तर साहब की तकरीर हुई और मुस्लिम समाज नंदिनी नगर (अहिवारा) के लोग शामील हुए।

नवीन जिला सक्ती के विकासखंड जैजैपुर के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किकिरदा का मामला

- आखिरकार हटाए गए प्रभारी प्राचार्य रात्रे और विज्ञान प्रयोग सहायक रोहित कुमार साहू

बिर्रा (समय दर्शन)। विकासखंड जैजैपुर के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किकिरदा के प्रभारी प्राचार्य प्रकाश चंद्र रात्रे और रोहित कुमार साहू सहायक शिक्षक विज्ञान प्रयोगशाला को आखिरकार पढ़ाई नहीं कराने एवं शासकीय कार्य में लापरवाही बरतने और घोर उदासीनता के कारण जिला शिक्षा अधिकारी सक्ती के द्वारा तत्काल यहां से दूसरे विद्यालय में हटा दिया गया है।

गौरतलब है कि नवीन जिला सक्ती के विकासखंड जैजैपुर के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किकिरदा में पदस्थ व्याख्याता एवं प्रभारी प्राचार्य प्रकाश चंद्र रात्रे और सहायक शिक्षक विज्ञान प्रयोग सहायक रोहित कुमार साहू इन दोनों को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किकिरदा में छात्र-छात्राओं को पढ़ाई नहीं कराने एवं शासकीय कार्य में लापरवाही बरतने और घोर उदासीनता के कारण आखिरकार जिला शिक्षा अधिकारी सक्ती एन के चंद्रा के द्वारा तत्काल यहां से हटाकर दूसरे दूसरे स्कूल में भेज दिया गया है। कार्यालयीन सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी सक्ती के आदेश क्रमांक 2797 के तहत विकासखंड जैजैपुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किकिरदा पदस्थ व्याख्याता एल बी जीव विज्ञान एवं प्रभारी प्राचार्य प्रकाश चंद्र रात्रे को शासकीय उच्चतर माध्यमिकविद्यालय किकिरदा से हटाकर स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय हसौद विकासखंड जैजैपुर जिला सक्ती किया गया है। इसी तरह जिला शिक्षा अधिकारी सक्ती एन के चंद्रा के आदेश क्रमांक 3384 के तहत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किकिरदा में पदस्थ सहायक शिक्षक विज्ञान प्रयोगशाला सहायक रोहित कुमार साहू को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किकिरदा से हटाकर शासकीय हाई स्कूल चिस्दा विकासखंड जैजैपुर जिला सक्ती में पदस्थ किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा। आदेश का पालन नहीं करने पर वेतन रोकने की कारवाई किया जाएगा। विद्यालय में अध्ययन करने वाले छात्र-छात्राओं में खुशी का माहौल है।

पाटन परियोजना के सभी 267 आंगनबाड़ी का नहीं खुला ताला, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका हड़ताल पर रहे

पाटन (समय दर्शन)। महिला एवं बाल विकास विभाग के पाटन परियोजना के सभी 267 आंगनबाड़ी का आज ताला नहीं खुला। आंगनबाड़ी के कार्यकर्ता एवं सहायिका एक दिवसीय हड़ताल पर रही। जिला मुख्यालय में आयोजित धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शामिल हुई । साथ ही रैली के माध्यम से अपनी आवाज बुलंद करते हुए ज्ञापन भी सोपा गया। जामगांव एम परियोजना के भी आधे आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहे ।।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं द्वारा अपनी 4 सूत्री मांगों को लेकर 8 नवंबर को एक दिवसीय ध्यानाकर्षण धरना रैली निकाली गई। इसमें पाटन परियोजना के कार्यकर्ता और सहायिका भी शामिल हुई। । एक दिवसीय धरना ध्यानाकर्षण धरना रैली प्रदर्शन करते हुए सुबह 10 से शाम 4 बजे तक रैली के द्वारा ज्ञापन सौंपा गया। मांगों को लेकर पाटन परियोजना आंगन बाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ के अधिक श्रीमती लता साहू ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं को शासकीय कर्मचारी घोषित करते तक मानदेय 21,000 दिया जाए या प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत मानदेय में बढ़ोतरी की जाए। पर्यवेक्षक भर्ती तत्काल निकाली जाए।

कार्यकर्ताओं को 50 प्रतिशत- लक्ष्य में योग्यता के आधार पर शत-प्रतिशत पर्यवेक्षक पद किया जाए या 50 प्रतिशत में आयु सीमा की छूट देते हुए 45 प्लस वालों को विशेष अंक दिया जाए और विभाग द्वारा परीक्षा लिया जाए। सहायिकाओं के मानदेय में कार्यकर्ता के मानदेय से 80 प्रतिशत समकक्ष वृद्धि किया जाए। कार्यकर्ता पद पर सहायिकाओं को शत-प्रतिशत पदोन्नत किया जाए । आयु सीमा का बंधन हटाया जाए एवं भर्ती नियम में संशोधन किया जाए। कार्यकर्ता, सहायिकाओं को सेवा समाप्ति बाद 10 लाख एक मुश्त राशि दी जाए।

मर्रा कृषि महाविद्यालय में मनाया गया अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दि जयंती समारोह

पाटन (समय दर्शन)। विरांगना महारानी अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दि जयंती समारोह शुक्रवार को कृषि महाविद्यालय मर्रा में मनाया गया।कार्यक्रम में महाविद्यालय और मर्रा स्कूल के छात्र छात्राओं को विरांगना अहिल्याबाई होल्कर के संघर्ष व जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके त्याग और न्याय से बच्चों को अवगत कराया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के डॉ टोपलाल वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा आज से 250 साल पहले देवी अहिल्याबाई होल्कर के शासन को हम सुशासन कह सकते हैं ,इसलिए हम इन्हें लोकमाता कहते हैं।वे एक न्याय प्रिय शासक थी ।

उन्होंने विरांगना अहिल्याबाई होल्कर की जीवन बताते हहै कहा कि मल्हार राव होल्कर ने 8 वर्षीय अहिल्याबाई होल्कर को देखकर उन्हें अपनी पुत्रवधु बना लिया,और 13 साल की अहिल्याबाई इंदौर की महारानी बन गई,

एक युद्ध में पति की मृत्यु के बाद पूरे मालवा प्रान्त की प्रजा की रक्षा के लिए उन्होंने सती होने का विचार त्याग दिया और राज पाठ चलाने लगी ,उस समय देश में अंग्रेजों और मुगलों का प्रभाव था,उनसे अपनी प्रजा को बचाने के लिए उन्होंने अस्त्र शस्त्र बनवाया, मालू जाती के लोगो को बसाया और कुटीर उद्योग की स्थापना की ,अपने नगर को सैनिक नगर बनाया।ससुर और पुत्र के निधन के बाद उन्होंने इंदौर से महेश्वर को राजधानी बनाया महेश्वर के नर्मदा नदी में 28 घाट और शहर में 50 मंदिर बनवाये ।

उन्होंने सम्पूर्ण भारत मे मंदिर बावली और सड़कों का निर्माण कराया।ज्योतिर्लिंगों का संधारण करवाया विश्राम शाला और अन्न भंडार बनवाए जलाशय का निर्माण भी कराया।किसानों के लिए कार्य किये ,महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए वो उन्हें सती होने से रोकती थी,एकेली महिला की सम्पति को वापस किया। दत्तक पुत् और पुनर्विवाह करने पर जोर दिया।उन्होंने पर्यावरण के लिए काम किये किसानों से आम नीम अमली के पेड़ लगवाए।शिक्षा के लिए उन्होंने गुरुकुल की व्यवस्था की और 19 अलग अलग विषयो पर शोध कार्य करवाये।उन्होंने बच्चों से कहा कि ऐसी लोकमाता से हमें सीखना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अधिष्ठाता डॉ अजय वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारा देश स्वतंत्रता का अमृत उत्सव मना रहा है, ऐसे में ये जरूरी है कि हम अपने शहीदों संतो और वीरांगनाओं को याद करें।

रानी अहिल्या बाई सच्ची समाज सेविका थी उन्होंने महिलाओं,पीड़ित ,शोषित व कमजोर वर्ग के लिए अनेक कार्य किया वे एक बेहतरीन शासक थी,उन्होंने छात्र छात्राओं को अहिल्या बाई के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही।

विशेष अतिथि सरपंच पालेश्वर ठाकुर ने कहा कि देवी अहिल्याबाई ने कठिन परिस्थिति के उपरान्त भी कुशलता से साम्राज्य का संचालन किया। उन्होंने लोक कल्याणकारी राज्य व्यवस्था को साकार रूप दिया।

कार्यक्रम का संचालन प्रवीण कुमार साहू और आभार प्रदर्शन राकेश तिवारी ने किया।इस अवसर पर किशोर साहू सुनील पटेल दीपक सावर्णि प्रकाश कश्यप लालाराम वर्मा लखन वर्मा उमाशंकर वर्मा अरुण वर्मा सहित महाविद्यालय के स्टाफ और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ग्राम पतोरा में कलश स्थापना और दीपयज्ञ का हुआ आयोजन

सेलूद में आयोजित 24 कुण्डीय शक्ति सम्बंर्धन गायत्री महायज्ञ हेतु गाँव गाँव मे हो रहा कलश स्थापना

सेलूद/समय दर्शन। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियो के ग्राम सेलूद में 2 जनवरी से 5 जनवरी तक होने वाले 24 कुण्डली महायज्ञ, शक्ति सवंर्धन एवं विराट महिला सम्मेलन हेतु प्रचार प्रसार गांव गांव में किया जा रहा है द्य पाटन क्षेत्र के 51 गांव में कलश स्थापना किया जा चुका है द्य सभी गांव में जाकर समन्वयक गायत्री प्रज्ञा पीठ आमालोरी अशोक सिंह राजपूत, संयोजक खेमलाल साहू, सह संयोजक अजय सिंग ठाकुर, संजय यदु के द्वारा ग्राम पतोरा के रावण भांटा दुर्गा मंच पर हरीश चंद्र सोनकातर(समन्वयक गायत्री प्रज्ञा पीठ पतोरा) के मार्गदर्शन में दीप प्रज्वलित कर घर घर मे कलश स्थापना की शुरुआत की गई एवम कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्रदान किया गया। उक्त अवसर पर सरपंच अंजीता साहू, कल्याण साहू, देवचरण साहू, हृदय सोनकातर, पूसउ साहू, दुलारी साहू, तुलस्वरी साहू, पुन्नी साहू, भुनेस्वरी, नोमन्त, त्रिवेणी, सरस्वती, वीणा साहू, उषा साहू सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत उतेकेल में प्रधानमंत्री आवास योजना में भ्रष्टाचार उजागर

- सचिव ने पात्र हितग्राही के बदले सरपंच की बहू को अनुचित लाभ देते हुए किया बड़ा भ्रष्टाचार, FIR के निर्देश

पिथौरा (समय दर्शन)। पिथौरा विकासखण्ड अंतर्गत के ग्राम पंचायत उतेकेल में प्रधानमंत्री आवास योजना वर्ष 20-21 में प्रेमशिला बेवा पति स्वर्गीय हरिहर बांक के नाम से स्वीकृत हुआ था । जिसका जिओ टैग तत्कालीन सचिव ने पात्र हितग्राही महिला प्रेमशिला बांक के निवासरत मकान का किया था।

सचिव के स्थानांतरण के बाद वर्ष 2023 में सरपंच जानकी बांक सचिव मोहित साहू ने मिलीभगत से उक्त विधवा महिला हितग्राही के स्थान पर ग्राम की अन्य हमनाम महिला जो कि, रिश्तेदारी में सरपंच की बहू है ,उसे योजना काअनुचित लाभ देते हुए तत्कालीन सचिव मोहित साहू ने प्रेम शिला बांक, पति विकास बांक के नाम पर एक लाख बीस हजार की राशि आहरण कर गबन किया गया है ।

वर्तमान में प्रेमशिला बांक पति हरिहर बांक जिसका मकान अत्यंत जर्जर होने के कारण वह महिला अपने मायके नरसिंहपुर में रहने को मजबूर है जो पात्र होते हुए भी योजना के लाभ से वंचित है, और दर दर की ठोकर खा रही है। इधर

सरपंच सचिव ने योजना पर पतीला लगा कर केंद्र सरकार की माहिती योजना पर बड़े भ्रष्टाचार को अंजाम दिया गया है।

आपको बता दे पात्र हितग्राही प्रेमशिला बांक पति हरिहर के जिस मकान पर जिओ टैग किया गया था

वह मकान आज की स्थिति में भी जस का तस जर्जर स्थिति में पड़ा हुआ है जबकि पीएम आवास योजना की स्वीकृत राशि तीन किस्तों में एक लाख बीस हजार का आहरण हो चुका है।

वर्तमान सचिव मोहित साहू ने अपने पदस्थ रहने के दौरान वर्ष 2023 में ही पात्र महिला का अकाउंट नंबर बदलकर हितग्राही महिला के स्थान पर सरपंच की बहू प्रेमशिला बाग के अकाउंट नंबर में राशि डलवा कर पैसों का बंदरबांट किया जिसकी खबर लगते ही विभाग में हड़कंप मच गया है।

गौरतलब हो कि जिओ टैग आईडी में भी बाकायदा सचिव मोहित साहू ने सरपंच की बहू को लाभ दिलाने के लिए स्थल बदलकर दोबारा जीरो टैग कर फोटो में प्रेम शिलाबांक पति विकास बांक का फोटो अपलोड किया है। इतने बड़े भ्रष्टाचार उजागर होते विभाग में हड़कम मच गया है। हमारे प्रतिनिधि ने फोन के माध्यम से जिला पंचायत सीईओ एस आलोक से दूरभाष पर चर्चा के दौरान उन्होंने बताया आवास योजना में हुए भ्रष्टाचार मामले की जानकारी मिली है, सीईओ सीपी मनहर को उत्तेकेल आवास मामले में संलिप्त सरपंच सचिव अन्य के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने का निर्देश दिए।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2022-24